www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार: 2 नवम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 169 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बंजर जमीनों को हरा-भरा बना रहे गोवा के किसान

खेती की नई शुरुआत, जर्मन विशेषज्ञो की ले रहे मदद

पणजी (एजेंसी)। गोवा के कृषि क्षेत्र में जल्द ही एक नया बदलाव देखने को मिल सकता है। बिचोलिम की किसान उत्पादक संस्था ने अपनी बंजर और खाली पड़ी जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए जर्मनी की आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ खेती के तरीकों से प्रेरणा लेने का फैसला किया है। इस योजना के तहत किसान ने 1200 हेक्टेयर बंजर जमीन पर खेती



शुरू करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसके लिए जर्मन एक्सपर्ट्स की तकनीकी मदद से आधुनिक मशीनों से खेती और एग्रो-टूरिज्म (कृषि पर्यटन) की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। अधिकारियों के लिए जर्मन विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा आयोजित चार दिन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जर्मनी में अपनाई जाने वाली आधुनिक कृषि पद्धतियों, मशीनीकरण, ऑर्गेनिक फार्मिंग और टिकाऊ खेती के बुनियादी ढांचे को कृषि अधिकारियों को समझाना था।

अब आजम खान के परिवार पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

जौहर यूनिवर्सिटी में सचिव पत्नी-कोषाध्यक्ष बहन पर ईडी की टेढ़ी नजर

रामपुर (एजेंसी)। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सपा नेता आजम खां को गिरफ्तार किया है। उन पर जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में 400 करोड़ से ज्यादा ब्लैक मनी और 80 करोड़ से अधिक सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है। इसी प्रकरण में आजम के साथ जौहर ट्रस्ट को भी नामजद किया गया है जिसमें उनकी



पत्नी, दोनों बेटे और बहन आदि भी शामिल हैं। यही वजह है कि ईडी की कार्रवाई आगे बढ़ने पर आजम के स्वजन भी मुसीबत में फंस सकते हैं। ईडी की ओर से 13 अक्टूबर को अजीम नगर थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में नामजद जौहर ट्रस्ट के जरिए ही जौहर विश्वविद्यालय का निर्माण कराया गया है। निजी विश्वविद्यालय में सरकारी धन का उपयोग हो या फर्जी फर्मों से चंदा लेने की बात, सब कुछ इसी ट्रस्ट के जरिये किया गया है। ऐसे में ट्रस्ट में शामिल सभी सदस्यों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

मोदी को हटाएंगे, तभी लोकतंत्र बचेगा

रामलीला मैदान से सरकार पर बरसे मल्लिकार्जुन खरगे कहा-ज्ञानेश कुमार छोड़ेंगे नहीं ,मोदी को जाना ही होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में एसआईआर के विरोध में इंडिया ब्लॉक की रैली हुई। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पाताल में क्यों न चले जाएं, हम उन्हें वहां से भी खोज लाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। इन चोरों को निकालना है। इस रैली में मंच पर राहुल गांधी,अखिलेश यादव समेत 19 पार्टियों के नेता मौजूद रहे। इससे पहले विपक्ष का मार्च दोपहर 12 बजे मिंटो जंक्शन से शुरू हुआ और दोपहर 3 बजे रामलीला मैदान पहुंचा।



खड़गे का आरोप मोदी अपना वोट खुद चुन रहे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये भी कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा, वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। इन चोरों को निकालना है। चोरों की सरकार हर जगह बैठी है, आपका सपोर्ट हम चाहते हैं। मोदी जाएंगे तो ही लोकतंत्र बचेगा। मोदी को हटाओ, लोकतंत्र को बचाओ।

अखिलेश यादव बोले-काशी की जनता ने उन्हें डबल जीरो दिया

अखिलेश ने कहा, मैं देख रहा हूं कि रामलीला मैदान में जो आवाज उठ रही है। गठबंधन के सभी साथियों ने एकजुट होकर लोकतंत्र को खत्म करने वालों के खिलाफ हुए हैं। आज जब सभा यहां होने जा रही थी उसी समय यूपी में भाजपा की तरफ से कहा गया कि एक करोड़ वोट हिंदू भाइयों के वोट काट दिए गए। उन्होंने कहा-अब उनको भी याद आ रहा है कि उनके वोट भी कट गए हैं। मतलब 31 हजार वोट हर विधानसभा में कम हुए हैं। जब जमीन ही नहीं बची तो अंगद का पैर कहां रखोगे। काशी की जनता ने उन्हें डबल जीरो दिया है।

पंजाब में एएपी को झटका 2 एमएलए ने पार्टी छोड़ी

दोनों एएपी एमएलए बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। उन्होंने पार्टी छोड़ने की वजह बताने के लिए चंडीगढ़ में साढ़े 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। जौड़ामाजरा एएपी सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था। जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। जांच में शामिल होने के लिए लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। एएपी के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि अब भाजपा निष्कासित लोगों को इकट्ठा कर रही है।



बंगाल की खाड़ी में फिर बना नया चक्रवात

3 नवंबर को आंध्र के तट से टकराएगा मुरासु एक हफ्ते में दूसरा साइक्लोन,ओडिशा में बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र मुरासु नाम के चक्रवात में बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटे और झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान है। इससे पहले 26 अक्टूबर को चक्रवात 'अर्नब' उठा था। यह 28 अक्टूबर को आंध्र के तट से टकराया था। इसके कारण आंध्र प्रदेश, ओडिशा सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हुई थी। ओडिशा के गंजाम और गजपति जिले में पिछले एक हफ्ते से बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य अभी चक्रवात 'अर्नब' से हुए नुकसान से उबर ही रहा है। नए तूफान के कारण फिर से भारी बारिश हो सकती है। खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने निचले और पहाड़ी इलाकों को खाली करने का आदेश दिया है।

लखनऊ समेत 10 शहरों में कोहरा छाया, ठंड बढ़ी

यूपी में 'अर्नब' तूफान के असर से 3 दिन लगातार हुई बारिश से ठंड बढ़ गई है। दिन का तापमान 8 डिग्री तक लुढ़क गया है। रविवार सुबह लखनऊ, सहारनपुर, शामली, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में कोहरा छाया रहा। सड़कों पर सन्नाटा दिखा और 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल हो गया। इधर, वाराणसी, कानपुर और उन्नाव समेत 15 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं सर्दी का एहसास करा रही हैं। दुकानों पर लोग अलाव सेकते नजर आ रहे हैं। आज बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और सोनभद्र में हल्की बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में चक्रवात का असर अब खत्म हो गया है।



राजस्थान में दिन गर्म रात में सर्दी तेज

राजस्थान में बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर शनिवार से खत्म हो गया। अब अगले 3-4 दिन तक आसमान साफ रहने की संभावना है। इससे पहले शनिवार को मौसम साफ रहा। हालांकि, सुबह के समय कई जिलों में हल्का कोहरा रहा। जयपुर, कोटा समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई। पिछले 24 घंटे अधिकतम तापमान में भले ही बढ़ोतरी हुई, लेकिन 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। वहीं, रात के तापमान में गिरावट होने से सर्दी बढ़ गई। सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में रहा। शनिवार को सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही। हालांकि, बीते चार-पांच दिन में यहां के तापमान में तीन-चार डिग्री की गिरावट हुई है। फिर भी दिन का पारा करीब 35 डिग्री के करीब ही दर्ज हो रहा है। वहीं, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले हैं बाहर

पीएम मोदी बोले-देश में आर्थिक असमानता भी घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90 फीसदी तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए साझा किए।



गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ एक नारा नहीं

वर्ल्ड बैंक ने अक्टूबर में इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1 फीसदी थी, जो 2023 में घटकर 2.6 फीसदी रह गई। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, इसमें 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है और यह घटकर 23.0 पर पहुंच गया है।

3 वजह: खपत बढ़ी महिलाओं को मिला रोजगार

आम लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता में सुधार हुआ है। 2017 से 2023 के बीच करीब 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बने। इनमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। कई महिलाएं पहली बार कमाई वाले कामों से जुड़ीं। मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों को सहारा मिला। गरीबी में कमी सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं रही। लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा लोगों के पास पक्के मकान, बिजली, साफ पानी, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं हैं। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 2005-06 में देश की 53.8 फीसदी आबादी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। 2019-21 तक यह आंकड़ा घटकर 16.4 फीसदी रह गया। वहीं, वर्ल्ड बैंक के पैमाने के अनुसार 22-23 में गरीबी घटकर 15.5 फीसदी रह गई है।

अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस को दिया राष्ट्रपति ध्वज

बोले-जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया,देशभर में कायम की मिसाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया। शाह ने चंडीगढ़ पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि उसने अपनी जिम्मेदारियां बेहद अच्छे तरीके से निभाई हैं। चंडीगढ़ ने देशभर की पुलिस के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि 1966 से चंडीगढ़ पुलिस शहर की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है और उसने देश में पुलिस व्यवस्था के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय लिखा है।



अमित शाह ने कहा कि मेरा मानना है कि इन 60 वर्ष में उत्तरी क्षेत्र के केंद्र के रूप में चंडीगढ़ ने पूरे भारत की सुरक्षा में योगदान देने का सफल प्रयास किया है। अमित शाह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति निशान से अलंकृत किया जाना छह दशकों की सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का सम्मान है।

राहुल विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे

नड्डा बोले-आज के दिन ही सिखों का नरसंहार हुआ था

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने आज दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में एसआईआर के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा



कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

राहुल देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं

नितिन नवीन ने कहा- राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे।

उत्तरकाशी के केदारताल में फंसे 8 लोगों की तलाश जारी

हेलीकॉप्टर से दो बार हवाई सर्वे,अब तक नहीं मिला सुराग

देहरादून/उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र के केदारताल ट्रेक पर हिमस्खलन के बाद फंसे सात ट्रेकर्स और एक गाइड की तलाश जारी है। रविवार को हेलीकॉप्टर के माध्यम से क्षेत्र की दो बार हवाई रेकी की गई, लेकिन लापता लोगों या उनके टेंट का कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला। अत्यधिक बर्फबारी और दुर्गम परिस्थितियों के कारण रेस्क्यू अभियान में मुश्किलें आ रही हैं। अभियान के लिए एनडीआरएफ की एक अतिरिक्त माउंटेनियरिंग टीम को जरूरी उपकरणों के साथ रवाना किया गया है। केदारताल क्षेत्र में फंसे आठ लोगों की तलाश के लिए हेलीकॉप्टर से दो बार हवाई सर्वे किया गया। हालांकि, इस दौरान लापता ट्रेकर्स या उनके टेंट की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी।



अधिकारियों के अनुसार, इलाके में जगह-जगह हिमस्खलन होने के कारण पैदल रेस्क्यू करना मुश्किल है। ऐसे में हेली रेस्क्यू के जरिए अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसाईं ने बताया कि प्रतिकूल मौसम के चलते शनिवार को गंगोत्री लौट आई एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र की टीमों को पैदल रेस्क्यू के लिए ट्रेक पर नहीं भेजा गया। देहरादून से हेलीकॉप्टर के रेस्क्यू अभियान के लिए उड़ान भरने की सूचना है।

13 सदस्यीय दल के चार सदस्य सुरक्षित लौटे

जानकारी के अनुसार, बीते मंगलवार को उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के ट्रेकर्स का 13 सदस्यीय दल गंगोत्री धाम से केदारताल ट्रेक के लिए रवाना हुआ था। दल के साथ गया एक कुक रास्ते से ही गंगोत्री वापस लौट आया था। बाकी सदस्यों की वापसी गुरुवार को होनी थी, लेकिन बाद में सूचना मिली कि हिमस्खलन के कारण दल भोजखड़क के पास फंस गया है। इसके बाद ट्रेकिंग एजेंसी ने दल की तलाश के लिए एक टीम भेजी। इस टीम को चार सदस्य सुरक्षित मिले, जो शनिवार को गंगोत्री लौट आए। शेष आठ लोगों में सात ट्रेकर्स और एक गाइड शामिल हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। फंसे हुए आठ लोगों की स्थिति का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टर से रेकी की गई थी। इस दौरान उनके सुरक्षित स्थान पर होने की जानकारी मिली थी। हालांकि, इनमें से एक ट्रेकर के सिर में चोट लगने की सूचना है। अत्यधिक बर्फबारी और दुर्गम रास्तों के चलते रेस्क्यू टीमों को अभियान आगे बढ़ाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एनडीआरएफ की अतिरिक्त माउंटेनियरिंग टीम को आवश्यक उपकरणों के साथ रवाना किया गया है। वहीं, गढ़वाल हिमालय माउंटेनियरिंग एंड ट्रेकिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जयेन्द्र राणा ने किसी अप्रिय घटना से बचाव के लिए जल्द रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने की मांग की है।

संपादकीय

समापन के पथ पर यात्रा

उत्तराखंड की चारधाम यात्रा आस्था और उत्साह की गवाह बनी है। अब जबकि यात्रा अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो इसकी सफलता और भविष्य की चुनौतियों पर विमर्श जरूरी हो गया है। इस वर्ष की यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या रही। 27 अक्टूबर 2026 तक चारधाम और हेमकुंड साहिब में कुल 58,40,451 श्रद्धालु पहुंच चुके थे। इसके मुकाबले वर्ष 2025 में पूरे यात्रा सीजन में 48,31,905, वर्ष 2024 में 46,17,445, वर्ष 2023 में 54,36,172 और वर्ष 2022 में 44,37,028 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि उत्तराखंड का धार्मिक पर्यटन लगातार विस्तार कर रहा है और इस वर्ष पिछले सभी दर्ज आंकड़ों को पीछे छोड़ चुका है।यात्रा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने भी कपाट बंद होने तक श्रद्धालुओं की संख्या 65 लाख से अधिक पहुंचने का अनुमान व्यक्त किया था। यह अनुमान अपने आप में प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। चारधाम यात्रा की सफलता का एक बड़ा पक्ष प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। यात्रा के दौरान होटल, होमस्टे, टैक्सी, बस, ढाबे, स्थानीय दुकानें, घोड़ा–खच्चर संचालक और छोटे व्यापारियों को रोजगार के अवसर मिलते हैं। विशेष रूप से रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जैसे पर्वतीय जिलों की अर्थव्यवस्था में यात्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से स्थानीय कारोबार को गति मिलती है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या इस आर्थिक गतिविधि का पर्याप्त लाभ पहाड़ के आम नागरिक तक पहुंच पा रहा है? क्या स्थानीय युवाओं को स्थायी रोजगार मिल रहा है? क्या गांवों के उत्पादों, स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक खानपान को यात्रा अर्थव्यवस्था से पर्याप्त रूप से जोड़ा जा रहा है? यदि किसी वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या 60 या 65 लाख तक पहुंच जाती है तो निश्चित रूप से यह धार्मिक पर्यटन की लोकप्रियता का संकेत है। लेकिन क्या इतनी बड़ी संख्या को संभालने के लिए हमारे पास पर्याप्त सड़कें, पार्किंग, होटल, स्वास्थ्य सेवाएं और स्वच्छता सुविधाएं हैं? पहाड़ों की अपनी एक प्राकृतिक क्षमता होती है। इस क्षमता से अधिक दबाव डालने पर पर्यावरणीय असंतुलन और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए यात्रा की सफलता का मूल्यांकन केवल पंजीकरण और दर्शन के आंकड़ों से नहीं होना चाहिए। वास्तविक सफलता तब होगी जब प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा मिले, स्थानीय लोगों की आजीविका मजबूत हो और हिमालय की प्राकृतिक विरासत भी सुरक्षित रहे।

चिंतन-मनन

विश्वास की ताकत

एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं?
यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा-बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं?

डिजिटल ठगी पर बैंकों की जवाबदेही जरूरी



कांतिलाल मांडोत



डिजिटल तकनीक ने जीवन को जितना आसान और सुविधाजनक बनाया है, उतना ही इसके दुरुपयोग ने आम नागरिकों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे बैंकिंग, खरीदारी, भुगतान और आर्थिक लेनदेन संभव हो गया है, लेकिन इसी सुविधा का लाभ उठाकर साइबर अपराधी लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। डिजिटल ठगी अब केवल तकनीकी समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह देश की आर्थिक सुरक्षा, नागरिकों के विश्वास और बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुकी है। आए दिन साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं समाचारों की सुर्खियां बनती हैं। कभी डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए जाते हैं तो कभी बैंक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर लोगों को भयभीत किया जाता है।
सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया है कि आखिर इतनी जागरूकता के बावजूद पढ़े-लिखे लोग भी साइबर अपराधियों के जाल में कैसे फंस रहे हैं? मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान यहां तक कहा कि मोबाइल पर किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। यदि कोई इस तरह डराता है तो मोबाइल दीवार पर मार दीजिए, डिजिटल अरेस्ट अपने आप खत्म हो जाएगा। उनकी यह टिप्पणी केवल व्यंग्य नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला संदेश है। कानून की जानकारी रखने वाले और शिक्षित नागरिक भी जब फर्जी गिरफ्तारी, जांच और कानूनी कार्रवाई के भय से अपनी जमा पूंजी ठगों को सौंप देते हैं तो यह चिंता का विषय बन जाता है।
डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराध का ऐसा तरीका है जिसमें ठग स्वयं को पुलिस, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय या अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर किसी व्यक्ति को फोन अथवा वीडियो कॉल के माध्यम से डराते हैं। उसे किसी गंभीर अपराध में शामिल होने की झूठी कहानी सुनाई जाती है। फिर गिरफ्तारी, पूछताछ और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर लगातार निगरानी में रखा जाता है। पीड़ित व्यक्ति को परिवार और परिचितों से बात करने तक से रोका जाता है। इसी मानसिक दबाव में वह अपनी बैंक जमा पूंजी अपराधियों के खातों में स्थानांतरित कर देता है। वास्तविकता यह है कि भारत में डिजिटल माध्यम से किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। किसी भी सरकारी एजेंसी की कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही होती है।
इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण चिंता बैंकों की जवाबदेही को लेकर है। अदालत ने संकेत दिया है कि यदि बैंक की लापरवाही के कारण डिजिटल ठगी होती है तो बैंक को मुआवजा देने के लिए निर्देशित करने पर विचार किया जा सकता है। यह विचार साइबर अपराध के विरुद्ध लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अभी तक अधिकांश मामलों में ठगी का शिकार होने वाला व्यक्ति ही अपनी रकम वापस पाने के लिए बैंक, पुलिस और साइबर अपराध शाखा के चक्कर लगाता रहता है। कई बार शिकायत दर्ज होने के बावजूद धनराशि वापस नहीं मिल पाती। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब बैंक ग्राहकों की जमा पूंजी की सुरक्षा और आर्थिक लेनदेन की निगरानी के लिए जिम्मेदार हैं तो संदिग्ध गतिविधियों के समय उनकी जवाबदेही क्यों तय नहीं होनी चाहिए?
बैंकिंग व्यवस्था में प्रत्येक ग्राहक के खाते से होने वाले लेनदेन का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है। किसी खाते में अचानक असामान्य रूप से बड़ी रकम जमा होना, कुछ ही मिनटों में कई खातों में धनराशि स्थानांतरित होना अथवा सामान्य व्यवहार से अलग लेनदेन होना संदेह पैदा करने के पर्याप्त कारण हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी असामान्य लेनदेन की स्थिति में बैंकों की जिम्मेदारी और पुलिस को सूचना देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अदालत ने म्यूल अकाउंट्स पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। ऐसे खाते साइबर अपराधी दूसरे लोगों के नाम पर खुलवाकर या उनके बैंक खातों का दुरुपयोग करके ठगी की रकम को आगे भेजने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इन खातों पर समय रहते निगरानी हो तो अपराधियों के नेटवर्क को कमजोर किया जा सकता है।
बैंकों को केवल लेनदेन पूरा करने वाली संस्था समझना पर्याप्त नहीं है। उन्हें ग्राहकों की आर्थिक सुरक्षा का सक्रिय प्रहरी भी बनना होगा। संदिग्ध लेनदेन की पहचान के लिए आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रभावी निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना समय की मांग है। यदि किसी ग्राहक के खाते में अचानक असामान्य गतिविधि दिखाई देती है तो बैंक को तत्काल ग्राहक से संपर्क करना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर संदिग्ध लेनदेन को रोकने और संबंधित पुलिस अधिकारियों को सूचना देने की व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही बैंक कर्मचारियों को भी साइबर अपराध के नए तरीकों के प्रति प्रशिक्षित करना आवश्यक है।
साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए केवल बैंक और पुलिस की जिम्मेदारी तय करना पर्याप्त नहीं होगा। नागरिकों को भी अपनी जागरूकता बढ़ानी होगी। किसी अनजान व्यक्ति को मोबाइल पर बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड या व्यक्तिगत विवरण नहीं देना चाहिए। किसी भी सरकारी अधिकारी के नाम पर फोन करके पैसे की मांग की जाए तो उस पर विश्वास नहीं करना चाहिए। किसी भी प्रकार की धमकी मिलने पर घबराने के बजाय परिवार के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए। साइबर ठगी होने पर तुरंत बैंक को सूचित करके राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।
सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस दिशा में उम्मीद जगाता है कि डिजिटल ठगी के मामलों में अब केवल पीड़ित नागरिक की परेशानी नहीं, बल्कि बैंकिंग संस्थाओं की जिम्मेदारी भी गंभीरता से तय होगी। अटॉर्नी जनरल की ओर से अदालत को बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद डिजिटल अरेस्ट के मामलों में कमी आई है, लेकिन देश को अब भी साइबर अपराध के कारण भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि जागरूकता अभियान के साथ कठोर निगरानी और प्रभावी जवाबदेही भी आवश्यक है। डिजिटल भारत का सपना तभी सार्थक होगा जब नागरिकों का डिजिटल व्यवस्था पर भरोसा सुरक्षित रहेगा। तकनीक विकास का माध्यम बने, भय और ठगी का हथियार नहीं। बैंकिंग संस्थाओं को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और साइबर अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट की पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण चेतावनी है कि ग्राहक की मेहनत की कमाई की सुरक्षा केवल उसकी निजी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था की भी जवाबदेही है।

तीर्थयात्रियों के जीवन पर भारी पड़ रही है हेलीकॉप्टर यात्रा



मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में वर्ष पर्यन्त धार्मिक अनुष्ठान पूजा स्नान पर्व त्यौहार व यात्राओं का सिलसिला जारी रहता है जैसे विज्ञान की तरक्की हो रही है धार्मिक स्थलों की यात्रा जो कालांतर में पथरीली पहाड़ियों से पद यात्रा करते हुए बहुत जटिल और दुर्गम परिस्थितियों में की जाती रहीं अब यातायात के आधुनिक परिवहन साधनों के जरिए की जाने लगीं है इसी के चलते अब सम्पन्न लोगों के लिए हेली सर्विस धार्मिक स्थलों की सुगम यात्राएं कराने लगी हैं । लेकिन इनमें सुरक्षा इंतजाम में जबरदस्त खामी और नियमों का उल्लंघन लगातार दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। हाल ही में 30 अक्टूबर को हुए हादसे में जोशीमठ इलाके में धार्मिक पर्यटन कर रहे चौपर सवार छह श्रद्धालुओं की दुखद मौत ने एक बार फिर हैलीकॉप्टर सेवा दे रही कंपनियों द्वारा बरती जा रही अनियमितता और भारी लापरवाही को अनावृत कर दिया है।
भारत में धार्मिक पर्यटन जैसे चारधाम यात्रा, वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा के दौरान पिछले कुछ वर्षों में कई दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं। हिमालयी क्षेत्रों का अचानक बदलता मौसम, खराब दृश्यता और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां इन हादसों का मुख्य कारण रही हैं।
आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अकेले उत्तराखंड में साल 2016 से 2026 के बीच 12 हेलीकॉप्टर हादसे हो चुके हैं, जिनमें 21 लोगों की जान गई है।
उत्तराखंड के केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के रूट पर सबसे ज्यादा हादसे दर्ज किए गए हैं।
आपको बता दें कि 30 अक्टूबर 2026 जोशीमठ/बदरीनाथ धाम से देहरादून लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन का एक निजी हेलीकॉप्टर खराब मौसम और बर्फबारी के बीच चमोली जिले में हाथी पर्वत (चाई गांव) के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट सहित 6 लोगों की मौत हो गई।
15 जून 2025 केदारनाथ घाटी आर्यन एविएशन का बेल 407 हेलीकॉप्टर केदारनाथ से गुप्तकाशी लौटते समय गौरीकुंड (गौरीमाई खर्क) के पास घने बादलों के कारण पहाड़ी से टकरा गया। इस हादसे में पायलट और एक बच्चे समेत 7 लोगों की जान चली गई।
18 अक्टूबर 2022 केदारनाथ धाम से उड़ान भरने के महज 5-6 सेकंड बाद ही एक हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी और खराब विजिबिलिटी के कारण क्रैश हो गया, जिसमें 7 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी।
मई 2025 देहरादून से हर्षिल यमुनोत्री मार्ग जा रहा एक और बेल 407 हेलीकॉप्टर पहाड़ी से टकराया, जिसमें 6 पर्यटकों की मौत हो गई थी।
जम्मू-कश्मीर माता वैष्णो देवी यात्रा नवंबर 2015 के हादसे में माता वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को ले जा रहा एक निजी हेलीकॉप्टर कटरा में टेक-ऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। शुरुआती जांच में पता चला था कि रोटर (पंखे) से एक गिद्ध के टकराने के कारण हेलीकॉप्टर में आग लग गई थी। इस हादसे में एक महिला पायलट समेत 7 लोगों की मौत हो गई थी।
2026 जोशीमठ (बदरीनाथ मार्ग) ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर खराब मौसम और बर्फबारी से प्रभावित दृश्यता के चलते पांच श्रद्धालुओं और एक पायलट की मौत हो गई।
2025 गौरीकुंड सोनप्रयाग (केदारनाथ मार्ग) आर्यन एविएशन घने बादल और कम दृश्यता के कारण छह तीर्थयात्रियों एक बच्चा और एक पायलट की मौत हो गई थी।
8 मई 2025 को हर्षिल (यमुनोत्री मार्ग) पर खराब मौसम के कारण पहाड़ी से टकरा कर चौपर गिरने से पांच महिला श्रद्धालुओं और पायलट की मौत हो गई।
18 अक्टूबर 2022 को केदारनाथ घाटी आर्यन एविएशन के चौपर में तकनीकी खराबी और कोहरा के चलते छल श्रद्धालु और एक पायलट की मौत हो गई।
अप्रैल 2018 में केदारनाथ हैलीपेड पर लेंडिंग के दौरान वायुसेना के मालवाहक चोपर के क्रश हो जाने से एक मौत व तीन जख्मी हुए।
23 नवंबर 2015 कटरा सांझीछत वैष्णो देवी पर पक्षी (गिद्ध) का टकराना और आग लगना छह श्रद्धालुओं और एक महिला पायलट का जीवन लील गया।
सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदम सिर्फ कागजो पर चल रहे हैं।
लगातार हो रहे हादसों के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने सुरक्षा नियमों को काफी कड़ा कर दिया है। अब खराब मौसम की स्थिति में उड़ानों को तुरंत स्थगित करने का दावा किया जाता है, हेलीकॉप्टरों के अंदर इन-कैब कैमरे अनिवार्य किए जा रहे हैं, और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के पूरे बेड़े को ग्राउंड करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है।
इस के बावजूद हेली हादसे बता रहे हैं कि तमाम नियम कानून और निर्देश सिर्फ कागज़ पर चल रहे हैं और एविएशन कंपनी अधिक लाभ कमाने के लालच में असामान्य परिस्थितियों में भी चौपर उड़ान करा पायलट और श्रद्धालु यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रही है।
राज्यसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 से 2025 के बीच पूरे भारत में कुल 12 बड़े हेलीकॉप्टर हादसे हुए हैं, जिनमें कम से कम 30 लोगों की मौत हुई है।
इन आँकड़ों से पता चलता है कि उत्तराखंड में सबसे ज्यादा हादसे सामने आ रहे हैं। कुल 12 बड़े हादसों में से 7 दुर्घटनाएं अकेले उत्तराखंड में हुई हैं, और देश भर में हुई 30 मौतों में से 21 मौतें यानि करीब 70त्न इसी राज्य में हुई हैं।
जबकि अन्य राज्यों में इसी अवधि में महाराष्ट्र में 4 हेलीकॉप्टर क्रैश हुए जिनमें 7 लोगों की जान गई, और छत्तीसगढ़ में 1 दुर्घटना हुई जिसमें 2 लोगों की मौत हुई।
उत्तराखंड में (2016 से 2026) पिछले 10 वर्षों (2016-2026) के दौरान अकेले उत्तराखंड में लगभग 13 हेलीकॉप्टर घटनाएं जिनमें जानलेवा हादसे और इमरजेंसी लैंडिंग शामिल हैं जिनसे वहां कुल 27 से अधिक लोगों की जान गई है।
सरकार को इन तमाम हादसों से सबक लेना चाहिए और एविएशन कंपनियों को नियमों का पालन करने और मनमानी पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

इसराइलः ध्वस्त हुआ नेतन्याहू के अपराजित होने का मिथक



तनवीर जाफ़री

इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ़ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस क़दर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए।



इज़राइल के 2026 के संसदीय आम चुनावों के नतीजों के आने बाद देश में एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गई है और किसी भी गुट को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल की 120 सदस्यों वाली नेसेट अर्थात संसद में सरकार बनाने और पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। परन्तु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी व अन्य सहयोगी दक्षिणपंथी दलों के गठबंधन को कुल 53 सीटें मिली हैं। जबकि इसमें उनकी स्वयं की लिकुड पार्टी को 27 सीटें मिली हैं। 27 सीटें जीतकर लिकुड पार्टी संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर तो ज़रूर उभरी है परन्तु इसके बावजूद नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन बहुमत के जादुई आंकड़े यानी 61 सीटों तक नहीं पहुँच सका और बहुमत से 8 सीटें कम रह गया। बेंजामिन नेतन्याहू का कहना था कि उनका उद्देश्य एक मज़बूत दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सरकार बनाना है। इस चुनाव का एक और आकर्षण अरब नेतृत्व वाली पार्टियां का 19 सीटों पर जीत दर्ज करना भी है । अरब लोग इस्राईल की कुल जनसंख्या का क़रीब 21 प्रतिशत हैं। इस्राईल के इतिहास में यह अरब पार्टियों का अब तक का ऐतिहासिक व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। जबकि गादी आइज़नकोट का मुख्य विपक्षी गठबंधन 48 सीटें जीत पाया है। माना जा रहा है कि किसी भी बड़े गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण अब इस्राईल में सरकार बनाने के गठबंधन की जोड़-तोड़ और बातचीत का लंबा दौर चल सकता है । निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों ने इस्राइली समाज के गहरे मतभेद उजागर किए हैं। इस्राईल में हुआ यह चुनाव कितना महत्वपूर्ण था इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें यहूदी और अरब दोनों ही मतदताओं की ओर से रिकॉर्ड संख्या में मतदान में हिस्सा लिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक मतदाताओं ने हज़ारों डॉलर ख़र्च कर विदेशों से आकर मतदान में हिस्सा लिया। नेतन्याहू की पार्टी व उनके नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल न होने के पीछे जो मुख्य कारण माने जा रहे हैं उनमें एक तो यह कि यह चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुये जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसके अतिरिक्त नेतन्याहू पर 7 अक्तूबर से पहले इस्राईल की रक्षा करने में नाकाम रहने का भी आरोप है। विपक्षी नेताओं व समाज के एक बड़े वर्ग द्वारा इसकी जांच की मांग भी होती रही है, लेकिन नेतन्याहू इस जांच के लिए कभी तैयार नहीं हुये। इसलिये इस्राईली समाज का एक बड़ा वर्ग 7 अक्तूबर की घटना को एक सुनियोजित व सत्ता प्रायोजित साज़िश के संदेह से भी इनकार नहीं करता। अब इस्राईल में नई सरकार बनाने को लेकर भी तरह तरह के क़यास लगाये जा रहे हैं। इतने अलग-अलग विचारों और राजनीतिक हितों को एक सरकार के रूप में साथ लाना अब इस्राईल की राजनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार बनाने के लिये क्या नेतन्याहू अपने धार्मिक सहयोगियों को छोड़कर विपक्षी गुट के दक्षिणपंथी नेताओं के साथ गठबंधन बनाने के लिए तैयार होंगे? और क्या वे नेता, जो लंबे समय से नेतन्याहू के विरोधी रहे हैं, उनके साथ सरकार में शामिल होने के लिए तैयार होंगे? क्या विपक्षी गठबंधन अपने चुनावी वादों का बड़ा हिस्सा छोड़कर नेतन्याहू को सत्ता से बाहर करने के लिए अरब पार्टियों के साथ सहयोग करने को तैयार है? और क्या अरब पार्टियां ऐसी सरकार में शामिल होने का जोखिम उठाएंगी, जो कुछ ही महीनों में गिर सकती हो ? यह सवाल इस्राईल के राजनैतिक भविष्य के लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं।
इस बीच इस्राइल के वरिष्ठ वामपंथी डेमोक्रेट नेता यायर गोलान ने विपक्षी गुट से अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि हमें अब नेतन्याहू द्वारा यहूदी और अरब वोटों के बीच किए जा रहे नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए। चुनाव परिणामों और विश्लेषकों के रुख़ को देखें तो यह स्पष्ट है कि नेतन्याहू की कट्टर, ध्रुवीकरण करने वाली और अत्यधिक आक्रामक छवि ने उन्हें गंभीर राजनीतिक नुक़्सान पहुँचाया है। अक्टूबर 2023 के हमास हमलों के बाद से इस्राइल लगातार युद्ध की स्थिति में है। नेतन्याहू ने ईरान, गज़ा और लेबनान में सैन्य सफलताओं को भुनाने की कोशिश भी की। लेकिन देश की जनता का एक बड़ा हिस्सा लगातार जारी युद्ध की अनिश्चितता, बंधकों की घर वापसी में विफलता और देश के आर्थिक नुक़्सान से थक चुका था। इसी ने नेतन्याहू की अजेय सुरक्षा प्रदाता वाली छवि को चोट पहुंचाई।
नेतन्याहू के मौजूदा गठबंधन में धुर-दक्षिणपंथी और कट्टरपंथी वे यहूदी नेता भी शामिल थे, जिन्होंने वेस्ट बैंक में आक्रामक नीतियों को बढ़ावा दिया। इसके चलते इस्राइल के उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और यूरोपीय मूल के यहूदी नागरिकों में यह डर बढ़ गया था कि यह कट्टरता इस्राइल के लोकतांत्रिक ढांचे को ख़त्म कर रही है, जिससे तेल अवीव की सड़कों पर उनके ख़िलाफ़ भारी विरोध प्रदर्शन हुए। इसके अलावा चुनाव प्रचार के दौरान नेतन्याहू ने यहूदी राष्ट्रवादियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया पर आक्रामक बयानबाज़ी की और अरब नागरिकों पर चुनाव चुराने का आरोप लगाया। नेतन्याहू के इस आक्रामक रुख़ ने डर पैदा करने के बजाय अरब मतदाताओं को एकजुट कर दिया, जिसके कारण उन्होंने रिकॉर्ड संख्या में बाहर निकलकर नेतन्याहू व उनके गठबंधन के ख़िलाफ़ वोट डाला। युद्ध के इस दौर में भी नेतन्याहू द्वारा कट्टरपंथी रूढ़ीवादी यहूदियों को सेना की अनिवार्य सेवा से छूट देना भी आम इस्राइलियों को रास नहीं आया, जो लंबे समय से मोर्चे पर लड़ रहे हैं। विपक्ष ने इसे भी एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था ।
इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ़ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस क़दर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए। इसलिये कहना ग़लत नहीं होगा कि इस्राईल में बदलाव की चाहत रखने वाले और उनके कट्टर रवैये से असहमत लोगों ने उनके अपराजित होने के मिथक को ध्वस्त कर दिया है।

हाईवे पर खड़े विद्युत पोल, जाम हो रही व्यवस्थाएं

शिकायतों के बाद भी हाईवे से नहीं हटे विद्युत पोल, हादसों का खतरा, त्योहार और शादी सीजन में बढ़ेगी परेशानी



कोटद्वार में नजीबाबाद चौराहे और झंडाचौक के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात में बाधा बन रहे विद्युत पोल।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शहर की सड़कों को जाममुक्त और सुरक्षित बनाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन सड़क किनारे खड़े विद्युत पोल इन दावों की हकीकत बयां कर रहे हैं। नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग सहित शहर के प्रमुख मार्गों पर खड़े विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर यातायात में बाधा बनने के साथ ही दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जगह-जगह खड़े विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर सड़क की चौड़ाई को सीमित कर रहे हैं। सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ने और जाम लगने की स्थिति में राहगीरों के लिए पैदल निकलना तक मुश्किल हो जाता है। स्थिति यह है कि सड़क किनारे सफेद पट्टी के बाहर दोपहिया वाहन खड़ा करने के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती। विद्युत पोल के आसपास से गुजरने वाले बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को सबसे अधिक खतरा बना रहता है। वहीं, बरसात के दौरान विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर के आसपास करंट फैलने की आशंका भी बनी रहती है। करीब एक वर्ष पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने अधिकारियों की बैठक लेते हुए सड़क किनारे खड़े विद्युत पोल को अन्यत्र शिफ्ट करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई है। ऐसे में आगामी त्योहार और शादी के सीजन में बाजार व प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ने के साथ ही ये पोल फिर यातायात व्यवस्था के लिए चुनौती बनेंगे।

पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण की ओर से भी विद्युत पोल अन्यत्र शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन करीब एक वर्ष बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसा प्रमुख मार्ग हो, जहां सड़क किनारे खड़े विद्युत पोल यातायात व्यवस्था में बाधा न बन रहे हों। सबसे खराब स्थिति कौड़िया से झंडाचौक और बुद्धा पार्क के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी हुई है। करीब चार किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर

टेलीफोन के खंभे भी बढ़ा रहे परेशानी

झंडाचौक से राजकीय बेस चिकित्सालय के मध्य विद्युत पोल के साथ ही निष्प्रयोज्य हो चुके टेलीफोन के खंभे भी यातायात में बाधा बने हुए हैं। कई स्थानों पर दो से तीन पोल एक साथ खड़े हैं। इससे सड़क किनारे उपलब्ध जगह भी घिर रही है और वाहन चालकों को पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिल पा रहा है। पूर्व में प्रशासन की ओर से बीएसएनएल को इस संबंध में पत्र भेजने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक इन खंभों को हटाने की दिशा में भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

भाषण प्रतियोगिता में आयुषी और आदित्य ने बाजी मारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में लालपानी स्थित श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व और देश की एकता एवं अखंडता में उनके योगदान पर विचार रखे। हिंदी भाषण प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में आयुषी रावत और सीनियर वर्ग में आदित्य बिष्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. गिरीश उनियाल ने किया। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और नेतृत्व क्षमता से देश की सैकड़ों रियासतों को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य किया। हिंदी भाषण प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में आयुषी रावत प्रथम, रिया द्वितीय और तमन्ना तृतीय स्थान पर रही। सीनियर वर्ग में आदित्य बिष्ट ने प्रथम, आरुषि बुड़ाकोटी ने द्वितीय और दिया पंत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में कृतिका प्रथम, अंशिका पुंडीर द्वितीय और आरव तृतीय रहे। वहीं, सीनियर वर्ग में दिव्यांशी गुसाईं ने प्रथम, अरुण ने द्वितीय और अनुष्का रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बोक्सा जनजाति के लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने को लगा शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः बोक्सा जनजाति के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन व समाज कल्याण विभाग की ओर से बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया। शेष समस्याओं का एक सप्ताह के भीतर समाधान करने के निर्देश दिए गए।जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को हल्दूखाता स्थित बोक्सा जनजाति बालिका विद्यालय में आयोजित शिविर की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी संदीप कुमार ने की। इस दौरान उद्यान विभाग की ओर से 20 लाभार्थियों को निश्शुल्क सब्जी के बीज वितरित किए गए, जबकि कृषि विभाग ने सात लोगों को कृषि यंत्र उपलब्ध कराए। दो लाभार्थियों को किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाया गया। वहीं, 20 लोगों के आधार कार्ड भी बनाए गए। शिविर में बोक्सा जनजाति की प्रतिनिधि प्रभा देवी और महेंद्र सिंह ने बारातघर व पीएम जनमन छात्रावास के संचालन में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्रीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलने के साथ ही समुदाय के आर्थिक सशक्तीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान छात्रावास अधीक्षक राजेंद्र सिंह पाल ने पीएम जनमन आवासीय छात्रावास की सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सहायक समाज कल्याण अधिकारी संजीव पाल ने किया। इस अवसर पर तहसीलदार राजेंद्र सनवाल, सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, पार्षद जेपी बहुखंडी व मनीष नैथानी, विद्यालय की प्रधानाचार्या कंचन रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

गुलदार का आतंक, भालू की सक्रियता से ग्रामीण दहशत में

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः एकेश्वर विकासखंड के अंतर्गत कठूली गांव में गुलदार की धमक से ग्रामीण परेशान हैं। गुलदार आए दिन गौशालाओं में घुसकर मवेशियों को निवाला बना रहा है। वहीं, थापली गांव में भी पिछले कई दिनों से भालू की सक्रियता बनी हुई है। जंगली जानवरों की लगातार बढ़ती आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से प्रभावित क्षेत्रों में पिंजरा लगाने और वन्यजीवों की निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

कठूली निवासी हरेंद्र सिंह रावत, नरेंद्र सिंह रावत और उमराव सिंह रावत ने बताया कि गुलदार लगातार गौशालाओं को निशाना बना रहा है। इससे ग्रामीणों को अपने मवेशियों के साथ ही खुद की सुरक्षा की चिंता भी सताने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार वन विभाग को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उधर, थापली गांव में पिछले कई दिनों से भालू दिखाई दे रहा है। जंगली जानवरों की सक्रियता के चलते शाम ढलते ही ग्रामीणों का घरों



से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से प्रभावित गांवों में तत्काल पिंजरा लगाने, गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखने और भालू की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते वन विभाग ने ठोस कदम नहीं उठाए तो भविष्य में कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है।

दीपावली तक दुकान के आगे सामान रखने की दें इजाजत

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : दीपावली त्योहार को देखते हुए व्यापार सभा ने बाजार में दुकानों के आगे सड़क की ओर सीमित जगह पर सामान रखने की अनुमति मांगी है। इस संबंध में व्यापार सभा ने मेयर को ज्ञापन सौंपकर दीपावली तक अस्थायी छूट देने की मांग की। व्यापार सभा के महासचिव छवि प्रकाश अग्रवाल, आशीष सडाना और पंकज नेगी ने कहा कि दीपावली पर बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने से व्यापारियों को दुकान के बाहर सामान सजाने के लिए अतिरिक्त जगह की जरूरत होती है। उन्होंने दीपावली सीजन तक सीमित स्थान पर सामान रखने की अनुमति देने का अनुरोध किया। साथ ही आश्वस्त किया कि इससे यातायात और पैदल राहगीरों की आवाजाही प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। दीपावली के बाद व्यापारी पहले की तरह व्यवस्था कर लेंगे।

गढ़वाली नाटिका मधु मंडाण से दिया मधुमेह से बचाव का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः आधुनिक जीवनशैली और खानपान में बदलाव के कारण मधुमेह जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में जीवनशैली में सुधार और शारीरिक श्रम को अपनाकर इस बीमारी से बचाव किया जा सकता है।

इसी संदेश को लेकर द हाई हिलर्स ग्रुप और राइजिंग उत्तराखंड फोरम कण्वघाटी के संयुक्त तत्वावधान में गढ़वाली नाटिका ह्यमधु मंडाण का मंचन किया गया।

प्रेक्षागृह में आयोजित नाटिका का शुभारंभ निर्देशक रमेश ठंगरियाल, नाटककार डा. सतीश कलेश्वरी, रंजना रावत, विकास देवरानी और गोविंद डंडरियाल ने किया। इस दौरान डा. सतीश कलेश्वरी ने नाटिका की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में विश्वभर में करोड़ों लोग मधुमेह से पीड़ित हैं। बीमारी के उपचार के लिए कई लोग तरह-तरह के प्रपंचों में फंसकर अपनी जमा पूंजी गंवा देते हैं। दिल्ली से आए कलाकारों ने गढ़वाली भाषा में नाटिका का मंचन किया। कहानी में मधुमेह से पीड़ित एक व्यक्ति नौकरी से छुट्टी लेकर अपने गांव पहुंचता है। वहां बीमारी से छुटकारा


नाटक की प्रस्तुति देते कलाकार

पाने के लिए उसे ग्रामीणों की ओर से कई तरह के सुझाव दिए जाते हैं। इन उपायों को अपनाने में उसकी जमा पूंजी भी समाप्त हो जाती है। अंततः वह खेतों मेहनत करने लगता है और शारीरिक श्रम व जीवनशैली में बदलाव के कारण उसके स्वास्थ्य में सुधार आने लगता है। नाटिका के माध्यम से संदेश दिया गया कि नियमित शारीरिक श्रम, संतुलित दिनचर्या और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव अपनाकर स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

एक भारत,श्रेष्ठ भारत का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान और देशी रियासतों के एकीकरण में उनकी भूमिका को याद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ ली।

मुख्य अतिथि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ओपी गुसाईं ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। प्रो. एमएम सेमवाल ने सरदार पटेल के जीवन से जुड़े प्रसंग साझा किए। डॉ. राकेश नेगी ने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। डॉ. नरेश ने भी राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। पीएचडी शोधार्थी साक्षी और करिश्मा तथा बीए के विद्यार्थी जसमीत, अभिषु लखेड़ा और भूमिका जोशी ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ. गिरीश, डॉ. सुभाष, डॉ. हेमलता सहित विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

टीन शेड बनाने के व सौदर्यीकरण के लिए धनराशि देने की घोषणा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः अलकनंदा नवयुवक रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला सीता खोज और बाली-सुग्रीव लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। रामलीला के दौरान शबरी के किरदार में पूनम मैठाणी ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। भगवान राम के प्रति शबरी की अटूट श्रद्धा, निस्वार्थ प्रेम और भक्ति को उन्होंने जिस सहजता और भावपूर्ण अंदाज में मंच पर जीवंत किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंच संचालक त्रिलोक दर्शन थपलियाल ने बारिश के दौरान दर्शकों को होने वाली परेशानियों के बारे में बताया। इस पर मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने रामलीला मंच के आगे टिन शेड बनाने और सौंदर्यीकरण के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष गंगा सिंह रावत, सचिव भरत सिंह रावत, उपाध्यक्ष दीनदयाल बुटोला, कोषाध्यक्ष गणेश डिमरी आदि मौजूद रहे।

बॉडी बिल्डिंग में आर्यन कंडारी ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ीः बॉडी बिल्डिंग के राष्ट्रीय मंच पर श्रीनगर के युवा आर्यन कंडारी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गोवा में आयोजित प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने क्षेत्र का नाम रोशन किया।गोवा में 30 अक्तूबर को आयोजित नेशनल बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता आईसीएन गोवा सुपर शो एंड सुपर प्रो शो में श्रीनगर के आर्यन कंडारी ने दो स्वर्ण पदक जीते। आर्यन श्रीनगर व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष वासुदेव कंडारी के पुत्र हैं। उनकी मां गृहिणी हैं। आर्यन इससे पहले भी कई बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए बधाई दी है।

केदारताल में लापता सात ट्रैकर्स और गाइड की तलाश जारी

उत्तरकाशी ,केदारताल क्षेत्र में लापता सात ट्रैकर्स और एक गाइड की तलाश में एसडीआरएफ का सर्च एवं रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में भारी बर्फबारी और प्रतिकूल मौसम के चलते तलाशी अभियान में कठिनाइयां आ रही हैं। ऐसे में हेलीकॉप्टर की मदद से क्षेत्र की हवाई रेकी कराई गई।

एसडीआरएफ सेनानायक अर्पण यदुवंशी के निर्देश पर लापता लोगों की तलाश के लिए विशेष पर्वतारोहण टीम को अभियान में लगाया गया है। इससे पहले एसडीआरएफ की गंगोत्री टीम के जवानों ने केदारताल क्षेत्र में पहुंचकर रेकी की थी, लेकिन अत्यधिक बर्फबारी और विषम परिस्थितियों के कारण सर्च अभियान को आगे बढ़ाना मुश्किल हो



रहा था।

इसी के मद्देनजर एसडीआरएफ के हेड कांस्टेबल रवि चौहान और कांस्टेबल दीपक पंत हेलीकॉप्टर से हर्षिल पहुंचे। इसके बाद हेलीकॉप्टर के माध्यम से केदारताल क्षेत्र की दो बार सघन हवाई रेकी की गई। हालांकि, इस दौरान लापता ट्रैकर्स या उनके टेंट आदि के कोई स्पष्ट दृश्य संकेत नहीं मिल पाए।

युवक–महिला मंगल दलों को बांटी खेल सामग्री

गैरसैंण। युवा कल्याण विभाग ने युवक और महिला मंगल दलों को खेल व प्रोत्साहन सामग्री वितरित की। प्रांतीय रक्षक दल के ब्लॉक कमांडर बलवीर बिष्ट ने बताया कि महिला मंगल दलों को दरी, चिमटा, ढोलक मिल रही है। युवक मंगल दलों को कैरम बोर्ड, वॉलीबॉल, नेट और पंप दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेती की व्यस्तता है। इस कारण चयनित तेरह युवक मंगल दलों में से केवल पांच ने सामग्री ली है। पंद्रह महिला मंगल दलों में से आठ ने ही सामग्री प्राप्त की है। उन्होंने शेष दलों से समय पर सामग्री लेने की अपील की। इस वितरण का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना है।

शिविर में नियमित योग साधकों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः योग के प्रति लोगों को जागरूक करने और नियमित योगाभ्यास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योग समिति की ओर से मासिक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान योग कक्षाओं में नियमित रूप से पहुंचने वाले साधकों के साथ ही राष्ट्रीय योग प्रतियोगिताओं के लिए चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। पदमपुर स्थित श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में आयोजित बैठक का शुभारंभ स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी दिनेश जुयाल और राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमित सजवाण ने किया। बैठक में पिछली कार्यवाही की समीक्षा के साथ ही संस्था की ओर से योग एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। इस दौरान योग प्रशिक्षकों ने योग के नए आयामों और उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला। योग कक्षाओं में नियमित उपस्थिति दर्ज कराने वाले डा. रवि नेगी, देवेंद्र रावत, बीना रावत, सुनीता बिष्ट और नीलम चौहान को सम्मानित किया गया। वहीं, राष्ट्रीय योग प्रतियोगिताओं के लिए चयनित होने पर रजनी अग्रवाल, वरुण कुमार और प्रियांशु कुमार को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भगवती प्रसाद, सत्यनारायण नौटियाल, विजय भाटिया, जेपी काला, सुशील वर्मा, राखी नौटियाल, पिंकी पोखरियाल, सुनीता ओझा और चंद्र किशोर असवाल सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

लिफ्ट सिंचाई योजनाओं में चोरी के मामले आए सामने

नौगांव (उत्तरकाशी)। नौगांव, पुरोला और मोरी क्षेत्र में संचालित लिफ्ट सिंचाई योजनाएं चोरों के निशाने पर हैं। इस सप्ताह नौगांव ब्लॉक की तीन और सिंचाई योजनाओं में चोरी का मामला सामने आया है। इनमें तुनालका, भंकोली और डामटा की लिफ्ट सिंचाई योजनाएं शामिल हैं। अक्तूबर में अब तक कुल 12 सिंचाई योजनाओं में चोरी हो चुकी है।

चोरों ने सिंचाई योजनाओं के पंप हाउस के ताले तोड़कर वहां रखी मशीनों में इस्तेमाल होने वाली तारें, मोटर और विद्युत उपकरण चोरी कर लिए। इससे सिंचाई योजनाओं के संचालन पर भी असर पड़ने की आशंका है। अक्तूबर प्रथम सप्ताह में ही चोरी की नौ घटनाओं का खुलासा हुआ था। इसके बाद तीन और योजनाओं को निशाना बनाए जाने से चोरी की कुल घटनाओं की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इनमें सात योजनाएं नौगांव ब्लॉक और पांच योजनाएं पुरोला ब्लॉक की है।

नौगांव, पुरोला और मोरी ब्लॉक में लघु डाल खंड की कुल 25 लिफ्ट सिंचाई योजनाएं संचालित हैं। इनमें से 12 योजनाओं में चोरी हो चुकी है। लगातार हो रही इन घटनाओं ने विभागीय संपत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लघुडाल खंड के सहायक अभियंता विपिन तोमर ने चोरी की घटनाओं की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी मामलों की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

बहुगुणानगर में सुरक्षा कार्यों पर अनुमति का ब्रेक

कर्णप्रयाग। नगरपालिका के बहुगुणानगर में भू–धंसाव से बचाव के लिए होने वाले द्वितीय चरण के सुरक्षा कार्य प्रशासन की अनुमति पर अटक गए हैं। बदरीनाथ हाईवे और नैनीसैंण सड़क के बीच बसे इस क्षेत्र में घरों में दरारें आने के कारण करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से सुरक्षा कार्य स्वीकृत हैं जिसके तहत प्रथम चरण में मंडी समिति परिसर में ड्रिलिंग और पाइलिंग का काम हो चुका है। अब द्वितीय चरण में नैनीसैंण सड़क पर मशीनों से कार्य किया जाना है लेकिन जगह कम होने और सड़क संकरी होने के कारण काम तेजी से नही हो पा रहा है। वही सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता शुभम डोभाल ने बताया कि कार्य में तेजी लाने के लिए कर्णप्रयाग को कपीरी पट्टी से जोड़ने वाली इस नैनीसैंण सड़क पर यातायात बंद करने की अनुमति प्रशासन से मांगी गई है, जिसके मिलते ही निर्माण कार्य तेज हो जाएंगे।

अस्पतालों का किया फायर ऑडिट, दिए सुरक्षा के टिप्स



उद्यमसिंह नगर। कार सर्विस सेंटर में लगी भीषण आग, डेढ़ लाख की नकदी और फर्नीचर जलकर नष्टहल्द्वानी के कालाढूंगी रोड पर ऊंचा पुल के पास स्थित कार सर्विस सेंटर में रविवार दोपहर करीब एक बजे आग लग गई। आग स्पेयर पार्ट्स स्टोर और पब्लिक लाउंज वाले हिस्से में लगी। इससे कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। सेंटर संचालक विजय कुमार ने बताया कि इसी हिस्से में बिलिंग काउंटर भी था। आग में करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी, सोफा और अन्य फर्नीचर जलकर नष्ट हो गया। सूचना पर दमकल और मुखानी थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौरव किरार ने बताया कि दो वाटर टेंडर के साथ पहुंची टीम ने आग को फैलने से पहले ही काबू कर लिया।

लधिया नदी में संदिग्ध हालात में मिला नेपाली मजदूर का शव



चंपावत। चंपावत जिले के रीठा साहिब क्षेत्र के मछीयाड़ा में रविवार सुबह करीब 8:30 बजे एक बच्चे ने लधिया नदी में व्यक्ति का शव पड़ा देखा। उसने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से निकालकर सड़क तक पहुंचाया गया। साल के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि होशियार सिंह ने बताया कि बच्चे ने नदी में शव देखकर ग्रामीणों को जानकारी दी थी। प्रभारी थानाध्यक्ष डीके सती ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

विरासत में मिले प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने की आवश्यकता

कोटद्वार। सरोजिनी देवी लोक कल्याण विकास समिति के तत्वावधान में कोटद्वार में राजकीय स्वास्थ्य सेवाओं सुधार सहित डाइलिस केन्द्र स्थापना की प्रेरक सरोजिनी देवी की 15 वीं पुण्य तिथि पर उनका पुण्य स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए गये। इस अवसर पर प्रोफेसर नन्द किशोर ढौंडियाल की अध्यक्षता में आयोजित उत्तराखण्ड में भू प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने उत्तर-खण्ड में विरासत में मिले प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। चर्चा की शुरुआत करते हुए गोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ प्रेम बहुखण्डी ने कहा कि, भूमि पर हमारा स्वामित्व अस्थाई है। यह हमारे पूर्वजों की धरोहर है तथा भूमि की प्राकृतिक सम्पदा, उर्वरता और पारिस्थितिकी को सुरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों को सौंपना हम सब का दायित्व है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम भू स्वामी नहीं बल्कि अतीत और भविष्य की पीढ़ियों के बीच इस विरासत के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड सहित हिमालयी क्षेत्रों में भूमि एवं वन प्रबंधन स्थानीय समुदायों के अधिकार, जरूरतों तथा आजीविका से गहरा सम्बन्ध रहा है। स्थानीय समुदाय संसाधनों के मात्र उपयोग कर्ता नहीं बल्कि उनके संरक्षक एवं प्रबन्धन के महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र उनियाल ने बंजर होते खेतों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि, पर्वतीय क्षेत्रों में सीढ़ीदार खेतों में पहले जुताई होने से जल संरक्षण होता था परन्तु अब बंजर होने से वर्षा जल बंजर भूमि के कारण बह जाता है जिसके कारण जल संकट बढ़ता जा रहा है। हमारे धारे–नौले, गाड–गधेरे सूखते जा रहे हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट में उत्तराखण्ड के लगभग 60 प्रतिशत प्राकृतिक जलस्रोत सूख चुके हैं या सूखने के कगार पर हैं। यह आने वाले समय में गम्भीर जल संकट को न्यौता दे रहे हैं। उचित भू प्रबंधन से ही जल एवं पर्यावरण संरक्षण सम्भव है। डॉ पद्मेश बुड़ाकोटी ने कहा कि कृषि भूमि पर अतिक्रमण तथा गैर कृषि कार्य होने से उत्तराखण्ड में कृषि योग्य भूमि का रकबा घट रहा है। यह आने वाले समय के लिए शुभ संकेत नहीं है। आज कृषि को बचाने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि चकबन्दी के प्रणेता गणेश सिंह गरीब ने कहा कि, पर्वतीय क्षेत्रों में जोत चकबन्दी अनिवार्य है। चकबन्दी आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र है। सम्पत्ति नेगी ने कविता पाठ के माध्यम से चकबन्दी किये जाने पर जोर दिया।

गोष्ठी में एस. पी. कुकरेती, चित्रमणी देवलियाल, सुदर्वशन बिष्ट आदि वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया। आयोजक राजेन्द्र सिंह नेगी ने उपस्थित सभी जनों का आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन सुभाष चन्द्र नौटियाल ने किया।

इस अवसर पर गजे सिंह नेगी, चन्द्र सिंह नेगी, कुंवर सिंह, राजेन्द्र सिंह, प्रकाश कोठारी, शंकर दत्त गौड़, चन्द्र प्रकाश नैथानी, अन्नपूर्णा जोशी आदि उपस्थित थे।



डामरीकरण के कारण देवाल बाजार रहा बंद

देवाल। बाजार में डामरीकरण होने पर रविवार को देवाल बाजार बंद रहा। स्टेट हाईवे थराली–देवाल–वाण मार्ग के 22 किमी पर हॉटमिक्स व सुधारीकरण किया जा रहा है। रविवार को देवाल बाजार में डामरीकरण के कारण देवाल बाजार पूर्णरूप से बंद रहा। व्यापार संघ की अपील पर सभी प्रतिष्ठान बंद रहे। लोनिवि के ईई मनीष डोगरा ने बताया कि इस सड़क पर हॉटमिक्स का काम चल रहा है। रविवार को देवाल बाजार में दूसरे लेयर का हॉटमिक्स भी कर दिया गया।

लोहाजंग में पांच दिवसीय मेला 23 से

देवाल। पर्यटन नगरी लोहाजंग में पूर्व विधायक दिवंगत शेर सिंह दानू की स्मृति में पांच दिवसीय सांस्कृतिक औद्योगिक पर्यटन विकास मेला 23 नवंबर से शुरू होगा। मेले के सफल संचालन के लिए समिति का गठन करते हुए इंद्र सिंह राणा को अध्यक्ष बनाया गया। समिति ने मेले के उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रण भेजा है। मेले में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामचंद्र उनियाल की स्मृति में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं भी होंगी। मेलाध्यक्ष इंद्र सिंह राणा ने बताया कि सांस्कृतिक समारोह मुख्य आकर्षण होगा। इसमें प्रदेश के लोक कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकार और महिला मंडल भी प्रस्तुति देंगे। मेला परिसर में खेलकूद, गोष्ठी और विभागों के स्टॉल लगेंगे। स्थानीय उद्यमी जैविक उत्पादों के स्टॉल भी लगाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ लकी ड्रा भी मेले का आकर्षण होगा।

छह माह से क्षतिग्रस्त है बिरही–निजमुला सड़क, सुरक्षात्मक कार्य तत्काल करवाने की मांग



गोपेश्वर। दशोली विकासखंड के बिरही–निजमुला मार्ग पर काली चट्टान के समीप बरसात के कारण यहां सड़क का आधे से अधिक हिस्सा टूटकर खाई में समा चुका है। वहीं ऋषि बैरियर भी हवा में लटका है। ऐसे में यहां हादसे का खतरा बना है।

ग्राम प्रधान मंदोदरी देवी, भगत सिंह फरस्वाण, सुरेंद्र सिंह का कहना है कि यह मार्ग ग्राम पंचायत बिरही, गाड़ी, ब्यारा, सैंजी, मोली, मानुरा, निजमुला, गौणा, पगना, दुर्मी, पाणा और ईरानी सहित कई अन्य गांवों को जोड़ता है। प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण इसी टूटे मार्ग से आवाजाही करते हैं। क्षतिग्रस्त सड़क के कारण ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से मौके का निरीक्षण कर सड़क पर सुरक्षा दीवार बनाने और अन्य सुरक्षात्मक कार्य तत्काल करवाने की मांग की। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता तनुज कांबोज का कहना है कि पुराने ऋषि बैरियर क्षतिग्रस्त हैं। उन्हें बजट मिलने पर सही किया जाएगा। सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों का भी सुधारीकरण किया जाएगा।

केदारनाथ सेंचुरी क्षेत्र: हेलीकॉप्टर के शोर से वन्यजीवों पर पड़ रहा असर

चमोली। बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के लिए संचालित हेलीकॉप्टर सेवाओं के शोर से वन्यजीवों के व्यवहार और प्राकृतिक आवास पर पड़ रहे प्रभाव का केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग अध्ययन करेगा। इसमें केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में हेलीकॉप्टरों की उड़ान निर्धारित मानकों के अनुरूप हो रही है या नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी। सेंचुरी क्षेत्र में हेलीकॉप्टरों की उड़ान भूमि से कम से कम 600 मीटर की ऊंचाई पर होनी चाहिए।

वर्ष 2017 में भी हेलीकॉप्टरों के शोर से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और उनके व्यवहार में आ रहे बदलावों को लेकर अध्ययन किया गया था। उस दौरान वन्यजीवों के व्यवहार में बदलाव सामने आए थे। अब दोबारा इस विषय पर अध्ययन की तैयारी की जा रही है। इसमें वन्यजीव संस्थान के साथ अन्य संस्थाओं को भी शामिल किया जाएगा।



केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य करीब 975 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। पंचकेदार के मंदिर भी इसके अंतर्गत आते हैं। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं संचालित की जाती हैं। केदारनाथ में वर्तमान में 15 हेलीकॉप्टर कंपनियां सेवाएं दे रही हैं। यात्रा सीजन में दिनभर हेलीकॉप्टरों की आवाजाही और शोर से वन्यजीवों के विचलित होने और आवासीय क्षेत्रों में भटकने की आशंका बनी रहती है।

केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ रजत सुमन ने बताया कि सेंचुरी क्षेत्र में हेलीकॉप्टरों की उड़ान से वन्यजीवों के व्यवहार और उनके प्राकृतिक आवास पर पड़ रहे प्रभाव का अध्ययन कराया जाएगा। इसमें उड़ान के निर्धारित मानकों का पालन हो रहा है या नहीं, यह भी देखा जाएगा।

सेवानिवृत्त सैनिकसिलपाटा में आंगनबाड़ी केंद्र बदहाल

आदिबदरी। सिलपाटा गांव में आंगनबाड़ी केंद्र की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय लापरवाही के कारण केंद्र का भवन जर्जर है और 30 बच्चों को गांव के पंचायत भवन में पढ़ाई करनी पड़ रही है। प्रधान रेखा देवी ने बताया कि भवन की दीवारें गिरने के कगार पर हैं और छत से बारिश में पानी टपकता रहता है। उन्होंने कहा कि खतरे को देखते हुए बच्चों को पंचायत भवन में भेजना पड़ा है। रेखा देवी ने कई बार विभागीय अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत कराया लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि आंगनबाड़ी केंद्र के भवन की शीघ्र मरम्मत नहीं हुई तो वे बाल विकास विभाग और अधिकारियों के विरोध में ढोल दमाऊं व मशक बीन के साथ घेराव और प्रदर्शन करेंगे।

लोक संस्कृति की छटा के बीच सम्मानित होंगे राज्य आंदोलनकारी

नई टिहरी। राज्य स्थापना दिवस पर नौ नवंबर को जिला मुख्यालय सहित जिले की सभी तहसीलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों को सम्मानित करने के साथ ही विभिन्न विभागों की योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। छह–सात नवंबर को युवा महोत्सव आयोजित किया जाएगा।

डीएम नितिका खंडेलवाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस उत्तराखंड के निर्माण के लिए हुए संघर्ष और राज्य आंदोलनकारियों के त्याग एवं बलिदान को याद करने का अवसर है।

श्रम विभाग को पात्र श्रमिकों को श्रमिक किट वितरित करने के निर्देश दिए। बैठक में तय किया गया कि सभी तहसीलों में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों को निमंत्रणपत्र भेजकर आमंत्रित किया जाएगा। नौ नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे आयोजित कार्यक्रमों में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, सीडीओ वरुणा अग्रवाल, डॉ. राकेश भूषण गोदियाल आदि मौजूद रहे।

त्योहारी सीजन में कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील

पीपलकोटी। त्योहारी सीजन को देखते हुए पुलिस ने पीपलकोटी चौकी में व्यापारियों और संभ्रांत लोगों के साथ बैठक की।

चौकी प्रभारी लक्ष्मी प्रसाद बिजल्वाण ने सभी से त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने व्यापारियों को पटाखों की दुकानों के आसपास आग से बचाव के लिए अग्निशमन सिलिंडर, रेत और पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। साथ ही त्योहारों को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में मनाने का आह्वान किया। बैठक में व्यापार संघ अध्यक्ष दीपक राणा, अभिषेक शाह, सुनील शाह, बद्री प्रसाद भट्ट, अनिल नेगी, संजय भंडारी, अतुल शाह, देवेंद्र नेगी और नितिन शाह आदि मौजूद रहे।

एक नजर

जन औषधि केंद्र शुरू न होने और बंदरों की समस्या पर भड़का नागरिक मंच

नई टिहरी। जिला अस्पताल बौराड़ी में लंबे समय से बंद पड़े जन औषधि केंद्र का संचालन शुरू न होने और नगर पालिका क्षेत्र नई टिहरी में बंदरों की बढ़ती संख्या पर नागरिक मंच ने चिंता जताई है। बंदरों के लोगों पर झपटने और काटने की घटनाओं पर रोष व्यक्त करते हुए मंच ने उक्त दोनों समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। मंच ने बौराड़ी स्टेडियम के सुधारीकरण और विस्तारीकरण की मांग भी उठाई।

सामुदायिक मिलन केंद्र बौराड़ी में नागरिक मंच के अध्यक्ष सुंदरलाल उनियाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नगर की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में बौराड़ी में एआरटीओ कार्यालय के लिए चयनित भूमि पर निर्माण शुरू न होने और पेट्रोल पंप के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग से पानी की निकासी की समस्या का समाधान नहीं होने पर नाराजगी जताई।

मंच के अध्यक्ष सुंदरलाल ने कहा कि नागरिक मंच समय–समय पर नगर की समस्याओं को उठाकर शासन–प्रशासन को अवगत कराता रहा है, लेकिन मांगों पर कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि दो मुख्यमंत्रियों की घोषणा के बावजूद मेडिकल कॉलेज का मामला लंबित है, जबकि यह पूरे जिले के जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

प्रशिक्षण के बाद 35 ग्रामीणों ने शुरू किया ऑयस्टर मशरूम का उत्पादन

रुद्रप्रयाग। एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण से जिले के 35 ग्रामीण स्वरोजगार से जुड़ गए हैं। 30 सितंबर से पांच अक्तूबर तक आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियों ने अपने–अपने गांवों में ऑयस्टर मशरूम का उत्पादन शुरू कर दिया है। प्रशिक्षण के बाद संदीप (तुलंगा), उदय प्रताप (कुमोली), पवन पोखरियाल (छतोड़ा) और रमेश सिंह (नवासू) सहित अन्य प्रशिक्षार्थी मशरूम उत्पादन कर रहे हैं। उत्पादित मशरूम की स्थानीय बाजार में मांग भी मिल रही है। इससे ग्रामीणों को गांव में ही स्वरोजगार और आय का अवसर मिल रहा है। एसबीआई आरसेटी के निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य प्रशिक्षण देने के साथ ही युवाओं को सफल उद्यमी बनाना है। प्रशिक्षण के बाद भी संस्थान स्वरोजगार स्थापित करने, बाजार की जानकारी और बैंक ऋण संबंधी मार्गदर्शन में सहयोग करता है।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय में आगामी मार्च तक पूरा हो जाएगा काम

कर्णप्रयाग। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष कक्षों का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। कार्य का लगभग 50 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। यहां सभागार, कंप्यूटर कक्ष और अतिरिक्त कक्ष तैयार हो रहे हैं। पेयजल निगम के अधिकारियों के अनुसार मार्च माह तक कार्य पूरा कर दिया जाएगा। महाविद्यालय में करीब 277.13 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य किया जा रहा है। कार्यदायी संस्था उत्तराखंड पेयजल निगम की ओर से महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन के पीछे कक्ष कक्षों का कार्य गतिमान है। भवन के पीछे का कार्य करने के बाद अब महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन के ऊपर कार्य किया जा रहा है जिसमें बीम भरने का कार्य किया जा रहा है। निर्माण इकाई उत्तराखंड पेयजल निगम श्रीनगर के प्रोजेक्ट मैनेजर सुनील ने बताया कि निर्माण कार्य शुरू होने के दौरान वहां पर भूमि संबंधी विवाद हो गया था जिसमें काफी समय लग गया था। अब काम तेजी से किया जा रहा है।

जौनपुर के कई इंटर कॉलेज प्रभारी प्रधानाचार्यों के भरोसे

थत्यूड़ (टिहरी)। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज थत्यूड समेत क्षेत्र के कई अन्य इंटर कॉलेज प्रभारी प्रधानाचार्यों के भरोसे संचालित हो रहे हैं जिससे विद्यालयों की व्यवस्था और छात्र–छात्राओं का पठन–पाठन प्रभावित हो रहा है। बोर्ड परीक्षा के परिणाम पर भी प्रभाव पड़ रहा है।

जौनपुर ब्लॉक के जीजीआईसी थत्यूड, जीआईसी थत्यूड़ में गत तीन वर्षों से स्थाई प्रधानाचार्यों के पद रिक्त पड़े हैं। जौनपुर ब्लॉक के पूर्व प्रमुख महिपाल सिंह रावत, अभिभावक संघ के अध्यक्ष बलवीर सिंह रावत, हरिओम रावत, ओम प्रकाश गौड़, हरिभजन पंवार का कहना कि क्षेत्र के विद्यालय विगत वर्षों से स्थाई प्रधानाचार्य विहीन है। स्थायी प्रधानाचार्यों की मांग को लेकर अभिभावक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों से पत्राचार किया गया। बावजूद विद्यालयों में प्रधानाचार्यों की तैनाती नहीं हो पा रही है। ऐसे में विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था कैसे पटरी पा लौट पाएगी।

जौनपुर क्षेत्र के विद्यालयों में स्थायी प्रधानाचार्यों की नियुक्ति के लिए विभाग के उच्चाधिकारियों को पूर्व में पत्र भेजकर अवगत करवाया गया है। शासन स्तर से स्थायी प्रधानाचार्यों की नियुक्ति होनी है। उनके पास जौनपुर और भिलंगना ब्लॉक के बीईओ का प्रभार होने के कारण वह एक जगह पूरा समय नहीं दे पा रहे हैं।

33 केवी सब स्टेशन की मांग



कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक की नगुन पट्टी में आए दिन बिजली आपूर्ति बाधित होने से परेशान उपभोक्ताओं ने उनियालगांव में 33 केवी विद्युत सब स्टेशन बनाने की मांग उठाई है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि करीब 120 किलोमीटर लंबे छाम फीडर पर बड़ी आबादी निर्भर है। फीडर में कहीं भी तकनीकी खराबी आने पर पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो जाती है।

कमांद विद्युत सब स्टेशन से वर्तमान में टिहरी, छाम, मैंडखाल, कमांद और सुरीधार पेयजल पंपिंग योजना के लिए पांच फीडर संचालित हैं। इनमें छाम फीडर सबसे लंबा है। कमांद सब स्टेशन से करीब 120 किलोमीटर लंबी लाइन के जरिए नगुन पट्टी के साथ गुसाईं पट्टी के अधिकांश क्षेत्र में बिजली पहुंचाई जाती है। इस फीडर से कंडीसौड़ मुख्य बाजार, अस्पताल, तहसील मुख्यालय, आधार केंद्र, पेट्रोल पंप, एक नलकूप और करीब 10 मोबाइल टावर भी जुड़े हैं। थौलधार विकासखंड में कमांद ही एकमात्र विद्युत सब स्टेशन है जो चंबा के 33 केवी सब स्टेशन से जुड़ा है। कमांद सब स्टेशन में फिलहाल चिन्यालीसौड़ से 33 केवी की वैकल्पिक आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि टिहरी बांध में दोबाटा विद्युत सब स्टेशन जलमग्न होने के बाद ऊर्जा निगम ने इसे कमांद में शिफ्ट किया था।

इसके बाद से थौलधार ब्लॉक के कई गांवों को यहीं से बिजली आपूर्ति की जा रही है। स्थानीय निवासी राय सिंह, महेश जोशी, अतर सिंह, महावीर उनियाल, वीरेंद्र मोहन सेमवाल का कहना है कि नगुन पट्टी टिहरी जिले के विषम भौगोलिक क्षेत्र में शामिल है। विद्युत लाइनों की लंबाई काफी अधिक है।

सेवानिवृत्त सैनिक सनोज कुमार का स्वागत किया

जिलासू। लंगासू गांव निवासी सनोज कुमार भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद अपने गांव पहुंचे। गांव पहुंचने पर परिवारजनों और ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। ग्रामीणों और परिवारजनों ने मुख्य बाजार से उनके घर तक बैंड बाजों के साथ जुलूस निकाला। उन्होंने भारतीय सेना की गढ़वाल राइफल में सेवा दी। वह एसीपी नायक सूबेदार के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में सेवा दीं। इस अवसर पर पूर्व प्रधान प्रमोद कुमार, संदीप कुमार, प्रकाश कुमार और विजय कुमार मौजूद रहे।

जखनोली के पास हाथ से उखड़ रहा डामर, यूकेडी ने उठाए सवाल



रुद्रप्रयाग। मयाली–गुप्तकाशी राज्य मार्ग पर जखनोली के पास हाल ही में हुए डामरीकरण की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं। क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से बातचीत के बाद उत्तराखंड क्रांति दल के नेताओं ने मौके पर पहुंचकर मयाली–गुप्तकाशी मार्ग का जायजा लिया। इस दौरान डामर हाथ से उखड़ता देख नेताओं ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर नाराजगी जताई। यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री अर्जुन कंडारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले सड़कों पर तेजी से डामरीकरण कराया जा रहा है लेकिन काम की गुणवत्ता को ताक पर रखा जा रहा है। जनता के पैसों से हो रहे निर्माण में गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दौरान यूकेडी नेता अजीत सिंह, हरिभजन, प्रदीप बिष्ट और अनुराग पंवार आदि मौजूद रहे।

युवाओं के रोजगार के लिए स्पष्ट नीति और विजन जरूरी : धनाई

चंबा (टिहरी)। युवा संवाद कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री दिनेश धनाई ने युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि उनके रोजगार और स्वरोजगार के लिए स्पष्ट नीति और विजन जरूरी है।

उन्होंने युवाओं से विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श किया और रोजगार सहित अन्य सवालों के जवाब दिए। पूर्व मंत्री धनाई ने कहा कि छात्र जीवन से ही उनका युवाओं के साथ सीधा जुड़ाव रहा है।

समाज में बदलाव लाने की क्षमता युवाओं में ही है। वर्तमान में जेन–जी के साथ जेन–अल्फा भी अपने अधिकारों को लेकर सजग हो रही है। यह सकारात्मक बदलाव है। अब युवाओं को कोई भी जनप्रतिनिधि गुमराह नहीं कर सकता। उन्होंने अपने 2012 से 2017 के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान टिहरी झील में बोटिंग व्यवसाय शुरू कर युवाओं को रोजगार से जोड़ने की पहल की गई थी। वर्तमान में झील एक बड़े पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित हो रही है।

इस मौके पर एसआरटी परिसर बादशाहीथौल के छात्रसंघ अध्यक्ष राजन भंडारी, सचिव नितिन कुमार, भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष गौरव गुसाईं, प्रवीण भंडारी मौजूद रहे।

शिक्षक संघ की बैठक में वेतन विसंगति पर चर्चा

अगस्त्यमुनि। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई की बैठक शिक्षक भवन में ब्लॉक अध्यक्ष अनूप नेगी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिक्षकों की लंबित वेतन विसंगति, आयकर पेनल्टी और संगठन के मुद्दों पर चर्चा की गई। ब्लॉक मंत्री गिरिजेश सेमवाल ने कहा कि शिक्षकों को लंबे समय से 17140 न्यूनतम वेतन निर्धारण का लाभ नहीं मिल पाया है। इस मामले को जनपद एवं प्रांतीय नेतृत्व के माध्यम से शासन तक पहुंचाने की रणनीति बनाई जाएगी। वही आयकर समय पर जमा नहीं होने से लगे ब्याज और पेनल्टी के कारण शिक्षकों के वेतन आहरण में आ रही बाधा पर भी चिंता जताई गई। बैठक में संगठन की कार्यकारिणी के विस्तार और सदस्यता शुल्क पर चर्चा हुई। कोषाध्यक्ष नीलम बिष्ट ने आय–व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया।

पुरोला महाविद्यालय में बैंक परीक्षाओं का केंद्र बनाने की मांग

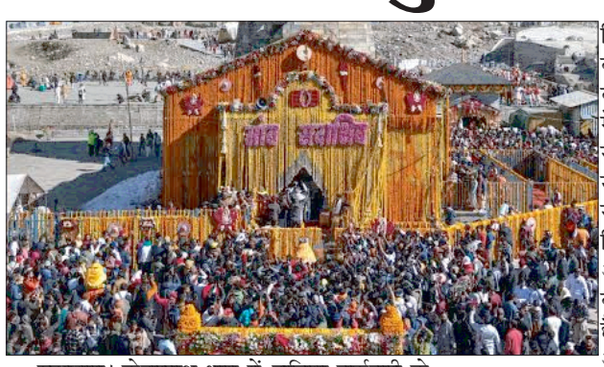
पुरोला। पीजी कॉलेज में पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर की बैंक परीक्षाओं का केंद्र बनाए जाने की मांग को लेकर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गोविंद सिंह ने श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के उप परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने छात्रहितों को देखते हुए पुरोला और मोरी महाविद्यालय के छात्राओं की बैंक परीक्षाएं पुरोला महाविद्यालय में ही आयोजित कराने का अनुरोध किया है। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गोविंद सिंह ने ज्ञापन में बताया कि पुरोला और मोरी महाविद्यालयों में अध्ययनरत अधिकांश छात्र–छात्राएं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। ऐसे में यदि बैंक परीक्षाओं के केंद्र अन्य स्थानों पर बनाए जाते हैं तो विद्यार्थियों को परीक्षा देने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। उन्होंने विश्वविद्यालय से अनुरोध किया है कि पीजी कॉलेज व मोरी महाविद्यालय के पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर की बैंक परीक्षाओं का केंद्र पुरोला महाविद्यालय में निर्धारित किया जाए।

किसानों को दी आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी

जखोली। ब्लॉक के चिरबटिया स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार के पर्वतीय कृषि महाविद्यालय में दो दिवसीय किसान मेले एवं प्रदर्शनी का रविवार को शुभारंभ किया गया। मेले में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीज, बागवानी, कृषि यंत्रों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को विवि की ओर से सम्मानित किया गया। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष रुद्रप्रयाग रितु नेगी ने किया। इस अवसर पर विवि के कुलपति डॉ. भगवती प्रसाद भट्ट भी मौजूद रहे। मेला 2 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। मेले में महिला मंगल दल पालाकुराली, मयाली, कपणिया तथा ग्राम बुढ़ना की ममता देवी की टीम ने वनाग्नि से होने वाले दुष्प्रभावों पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। वहीं हवाई–तवाई फेम कलाकार जगदंबा भक्तवाण ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। किसान मानवेंद्र सिंह, दीपक सिंह, कुंवर सिंह, विजय सेमवाल एवं संतोषी देवी ने अपने कृषि अनुभव, उपलब्धियों और संघर्षों को साझा किया। इस अवसर पर प्रो. डॉ. महावीर सिंह नेगी, डीन डॉ. ए.अरुणाचलम, प्रोपेसर टीएस रावत, प्रधान सुदीपा मेहरा, सुरेंद्र सकलानी, हयात सिंह राणा, सतीश भट्ट सहित कृषि वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि व काश्तकार मौजूद रहे।

बाबा केदार के दर्शनों के लिए लगातार पहुंच रहे श्रद्धालु



रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में हालिया बर्फबारी के बाद मौसम सुहावना बना हुआ है। धाम में बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियों के बीच श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर रहे हैं। वहीं बढ़ती ठंड के बावजूद यात्रियों में दर्शन को लेकर उत्साह बना है। सुबह से ही पैदल मार्ग, घोड़ा–खच्चर, डंडी–कंडी और हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं का धाम पहुंचने का सिलसिला जारी है। इस वर्ष यात्रा में अब तक 18,74,100 श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 11 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में 27 भारतीयों वाले जहाज पर हमला :इंजन रूम में आग लगी

होर्मुज, एजेंसी। होर्मुज में शुक्रवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर एमटी लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर पर दो लिम्पेट माइंस लगाई गई थीं। धमाके की वजह से इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए बंद हो गया। लेकिन क्रू ने आग बुझा दी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि सभी नाविक सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं लगी है। रॉयटर्स के मुताबिक, फरवरी में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज में पहली बार लिम्पेट माइंस से हमला हुआ है। ब्रिटिश समुद्री एजेंसी यूकेएमटीओ के मुताबिक, जहाज पर हमला ओमान के खासाब शहर से करीब 46 किलोमीटर दूर हुआ। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से 27 अक्टूबर तक होर्मुज और उसके आसपास 120 समुद्री घटनाएं हुईं। इनमें व्यापारिक जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमला कर सकते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश तेज सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। इसमें ईरान के तेल-गैस ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों-ड्रोन के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

सऊदी अरब में मिसाइल-ड्रोन हमलों के बीच अमेरिकी मिशन ने जारी की एक और एडवाइजरी

वाशिंगटन/रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में अहम ठिकानों पर हो रहे हमलों के मद्देनजर रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने मिशनों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दूतावास ने सभी गैर-आपातकालीन अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। 30 अक्टूबर को अमेरिकी मिशन की ओर से जारी सुरक्षा चेतावनी में कहा गया है कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ हमलों और शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इन हमलों में नागरिक हवाई अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है। इनके कारण आम नागरिकों की मौत और यात्रा व्यवस्था में गंभीर व्यवधान की घटनाएं हुई हैं। अमेरिकी मिशन ने आशंका जताई है कि मौजूदा शत्रुता तेजी से बढ़ सकती है और इसका प्रभाव संबंधित क्षेत्र से आगे भी फैल सकता है। एडवाइजरी के मुताबिक, सऊदी अरब में तैनात अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को हाल में हवाई अड्डों पर हुए मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) के हमलों के बाद देश के किसी भी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने के लिए मिशन प्रमुख से विशेष अनुमति लेनी होगी। यूएस ने अपने नागरिकों को आगाह किया है कि सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर हमले, हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा में व्यवधान की आशंका बनी हुई है। अमेरिकी मिशन ने नागरिकों को सलाह दी है कि यदि वे सऊदी अरब के हवाई अड्डों का इस्तेमाल करने का फैसला करते हैं तो अत्यधिक सावधानी बरतें। साथ ही यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जानकारी सीधे संबंधित एयरलाइन और हवाई अड्डे से प्राप्त करें। 10 अक्टूबर और फिर 25 अक्टूबर को रियाद स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत विभिन्न ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए गए थे। इसके बाद से कई बार अमेरिका अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी करता रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर सीसीटीवी ड्रोन और स्कैनर से होगी निगरानी, अवैध आवाजाही पर लगेगी रोक

काठमांडू, एजेंसी। भारत और नेपाल ने अपनी खुली सीमा की सुरक्षा मजबूत करने और निगरानी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने सीमा पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर सामान की जांच के लिए स्कैनर और मेटल डिटेक्टर लगाने तथा निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाने पर चर्चा की। शुक्रवार को दोनों देशों के सशस्त्र बलों की 10वीं समन्वय बैठक के समापन पर ये फैसले किए गए।प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर सामान की जांच के लिए स्कैनर और मेटल डिटेक्टर भी लगाए जाएंगे। निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के महानिरीक्षक नारायण दत्त पौडेल ने इसमें हिस्सा लिया। भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक संजय सिंघल ने भी बैठक में भाग लिया। यह बैठक बुधवार को काठमांडू स्थित एपीएफ मुख्यालय में शुरू हुई थी।

यूएन महासचिव की दौड़ में रेबेका ग्रिन्सपैन सबसे आगे, यूएई की लाना नुसीबेह नहीं बना सकीं बढ़त

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की प्रमुख रेबेका ग्रिन्सपैन संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव बनने की दौड़ में अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों के बीच हुए सातवें अनौपचारिक मतदान में उन्हें पिछले दौर के मुकाबले दो अधिक सकारात्मक वोट मिले। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की विदेश मामलों की राज्य मंत्री लाना नुसीबेह अपनी पहली ही परीक्षा में कोई खास बढ़त हासिल नहीं कर सकीं। कोस्टा रिका की ग्रिन्सपैन को इस मतदान में 11 वोट मिले, जबकि उनके खिलाफ वोटों की संख्या घटकर चार रह गई। पिछले मतदान में उनके पक्ष में नौ और विरोध में पांच वोट मिले थे। इस तरह उन्होंने अपनी स्थिति में कुछ सुधार किया है और अब भी इस दौड़ में सबसे आगे हैं। सात दौर के मतदान में से छह में वह शीर्ष पर रही हैं। हालांकि, इस बार के मतदान में यह स्पष्ट नहीं हो सका कि ग्रिन्सपैन के खिलाफ पड़े चार वोटों में से कोई स्थायी सदस्य देश का था या नहीं। इसकी वजह यह है कि छठे दौर के विपरीत इस बार मतपत्रों को अलग-अलग रंगों से चिह्नित नहीं किया गया था। पिछले दौर में ग्रिन्सपैन के खिलाफ पांच नवोट मिले थे, जिनमें दो सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के थे। स्थायी सदस्य का विरोध किसी भी उम्मीदवार की राह में



बड़ी बाधा बन सकता है।

इस बीच, यूएई की ओर से पिछले सप्ताह उम्मीदवार घोषित की गई लाना नुसीबेह को पहली बार हुए मतदान में सात वोट मिले थे, जबकि उनके खिलाफ छह मत पड़े और दो तटस्थ वोट डाले गए थे। वह कुल उम्मीदवारों में चौथे स्थान पर रहीं। उनसे आगे अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख और अर्जेंटीना के राफेल ग्रॉसी दूसरे स्थान पर तथा गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट तीसरे स्थान पर रहीं।

ग्रॉसी के पक्ष में नौ, विरोध में चार और दो तटस्थ वोट मिले, जबकि रोड्रिग्स-बिर्केट को आठ सकारात्मक (पक्ष), छह नकारात्मक (विरुद्ध) और एक तटस्थ वोट मिला। मतदान की इस प्रक्रिया में सुरक्षा परिषद के सदस्य तीन तरह से अपनी राय देते हैं। वे 'प्रोत्साहित' (एन्करेज), 'हतोत्साहित' (डिस्करेज) और 'कोई राय नहीं' (नो ओपिनियन) के विकल्प चुनते हैं। इन्हें क्रमशः सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ मत माना जाता है। अक्टूबर महीने के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष रहीं ग्रीस की स्थायी प्रतिनिधि अग्लाया बाल्टा ने मतदान प्रक्रिया की निगरानी की। उन्होंने औपचारिक रूप से परिणाम घोषित नहीं किए। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी खबरें प्रकाशित करने वाले मीडिया संस्थानों पासब्लू और 1फॉर8बिलियन ने इन परिणामों का खुलासा किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल इस साल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। ऐसे में नए महासचिव के चयन के लिए समय तेजी से निकल रहा है। बाल्टा ने भरोसा जताया कि सुरक्षा परिषद समय रहते महासभा को अपनी सिफारिश भेज देगी, ताकि नए महासचिव को पदभार संभालने की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद की योजना महासभा में नियुक्ति की प्रक्रिया समय पर पूरी कराने के लिए अपनी सिफारिश उचित समय पर भेजने की है। अगले महीने लातविया सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और महासचिव के चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उसके पास होगी। नए महासचिव के चयन में सुरक्षा परिषद की भूमिका निर्णायक है। किसी उम्मीदवार को कम से कम नौ सदस्यों का समर्थन हासिल करना होगा और पांच स्थायी सदस्यों में से किसी का भी विरोध नहीं होना चाहिए। स्थायी सदस्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन शामिल हैं। सुरक्षा परिषद की सिफारिश के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा 193 सदस्य देशों की भागीदारी से महासचिव की नियुक्ति करती है। आमतौर पर महासभा सुरक्षा परिषद की सिफारिश को मंजूरी दे देती है। फिलहाल परिषद के सदस्य बंद कमरे में बातचीत कर रहे हैं, ताकि उम्मीदवारों के बीच मतभेद कम किए जा सकें और किसी एक नाम पर सहमति बनाई जा सके। ग्रिन्सपैन के नकारात्मक वोटों में कमी और ग्रॉसी के समर्थन में बढ़ोतरी को इस बातचीत में कुछ प्रगति के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

शुक्रवार के मतदान के बाद ग्रिन्सपैन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि दुनिया ऐसे निर्णायक दौर से गुजर रही है, जिसमें एकजुट और आधुनिक संयुक्त राष्ट्र की जरूरत है। उन्होंने सभी पक्षों की बात सुनने, जरूरी सुधारों को आगे बढ़ाने तथा शांति और सुरक्षा के साझा लक्ष्य को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस बार महासचिव पद के चुनाव को लेकर एक महिला उम्मीदवार के चयन की मांग भी जोर पकड़ रही है। संयुक्त राष्ट्र के 80 साल से अधिक के इतिहास में अब तक नौ पुरुष इस पद पर रह चुके हैं, लेकिन किसी महिला को यह जिम्मेदारी नहीं मिली है।

इजराइल के आम चुनाव की जांच खुफिया एजेंसी मोसाद करेगी

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है।

यिस्राइल बेतेनु के चीफ बोले- अरब पार्टियों के साथ सरकार में शामिल नहीं होंगे : इजराइल की यिस्राइल बेतेनु पार्टी के चीफ एविगडोर लिबरमैन ने साफ कहा है कि उनकी पार्टी ऐसी किसी सरकार में शामिल नहीं होगी, जिसमें उनके मुताबिक आतंकवाद का समर्थन करने वाले लोग हों। लिबरमैन ने शुक्रवार को फेसबुक पर पोस्ट कर कई अरब और वामपंथी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आतंकियों का समर्थन करने वालों को इसकी कीमत चुकानी चाहिए।

नेतन्याहू के बेटे बोले- ईरान के बाद इजराइल के लिए अरब नागरिक खतरा : इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बेटे यायर नेतन्याहू ने इजराइल के अरब नागरिकों को देश के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बाद इजराइली अरब नागरिक देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। द यरूशलम पोस्ट के मुताबिक, यायर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर चुनाव नतीजों को लेकर यह बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि वेस्ट बैंक और गाजा के फिलिस्तीनियों, तुर्किये और पश्चिमी देशों में बढ़ते यहूदी-विरोध से भी बड़ा खतरा इजराइल के अरब नागरिकों से है। यायर ने लिखा कि इजराइल लंबे समय तक ऐसे हालात में नहीं टिक सकता, जहां उसकी 20% आबादी उसके दुश्मनों का समर्थन करती हो और देश का विनाश चाहती हो।

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है। पार्टी को चुनाव में 7 सीटें मिली हैं। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी ने समर्थन के बदले हरेदी समुदाय के लोगों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग की है। इजराइल में आमतौर पर नागरिकों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य है। हालांकि, हरेदी समुदाय के धार्मिक छात्रों को अब तक इससे बड़े स्तर पर छूट मिलती रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने काजा कैलास से यूक्रेन और खाड़ी संघर्ष पर चर्चा की

अटलांटा, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान, विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के लिए ईयू की उच्च प्रतिनिधि काजा कैलास से मुलाकात की और वैश्विक संघर्षों पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईयू एचआरवीपी काजा कैलास के साथ यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी की स्थिति पर चर्चा की।' विदेश मंत्री ने आखिरी बार यूरोपीय संघ के नेता के साथ 25 अक्टूबर को राजनयिक पदों पर समन्वय के लिए फोन पर बात की थी, जिसमें खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष सहित वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई थी।

इस बीच, काजा कैलास ने जी20 बैठक के पहले पूर्ण सत्र में अपनी टिप्पणी के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व संघर्ष के कारण उत्पन्न संकट पर भी प्रकाश डाला। कैलास ने एक्स पोस्ट में कहा, 'यूक्रेन पर रूस का हमला और मध्य पूर्व संकट ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति, व्यापार और नेविगेशन की स्वतंत्रता के लिए बड़ा खतरा है। समुद्री मार्ग वैश्विक जीवन रेखाएं हैं।' उन्होंने कहा, 'अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में, मैंने काला सागर में नेविगेशन स्वतंत्रता की व्यवस्था का आह्वान किया और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्गों पर टोल और शुल्क के लिए यूरोपीय संघ के विरोध की पुष्टि की।' ईयू एचआरवीपी ने कहा, 'ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। ' इससे पहले, सत्र में अपनी टिप्पणी के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने वैश्विक चुनौतियों के समय कूटनीति के महत्व पर भारत के रुख को भी दोहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सैन्य समाधान वैश्विक चुनौतियों का समाधान नहीं करेंगे और कूटनीति को एक मौका दिया जाना चाहिए, साथ ही उन्होंने फिक्र जाहिर करते हुए कहा कि ग्लोबल साउथ शिपिंग पर हमलों के लिए असंगत कीमत चुका रहा है।

साख बचानी है तो छोड़े दोहरा रवैया': भारत की यूएनएचआरसी को खरी खरी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में मानवाधिकार परिषद की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान भारत का पक्ष रखा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसकी साख तभी बनी रह सकती है, जब वह सभी देशों के साथ एक जैसा व्यवहार करे। किसी देश को शामिल किए बिना उसके खिलाफ विशेष आदेश जारी करने से जमीनी स्तर पर कोई खास बदलाव नहीं आता। इससे परिषद के भीतर मतभेद जरूर बढ़ते हैं। मानवाधिकारों की रक्षा के नाम पर किसी देश को निशाना बनाना या दोहरे मापदंड अपनाना सही तरीका नहीं है।

बातचीत और सहयोग से आगे बढ़ेंगे मानवाधिकार : भाविका मंगलानंदन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के फरवरी में दिए गए बयान का भी जिक्र किया। जयशंकर ने मानवाधिकार परिषद के 61वें उच्चस्तरीय सत्र में कहा



था कि मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका आपसी बातचीत, क्षमता बढ़ाने में मदद और सच्ची साझेदारी है। इसके बजाय राजनीतिक फायदे के लिए मानवाधिकारों का इस्तेमाल करना और चुनिंदा देशों पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। भारत का मानना है कि अगर परिषद को एकजुट होकर काम करना है, तो उसे उन आरोपों से बचना होगा, जिनमें कहा जाता है कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

सभी देशों के लिए एक जैसा नियम हो : भारत ने यूनिवर्सल पीरियोडिक रिव्यू को मानवाधिकारों पर चर्चा का बेहतर मंच बताया। इस व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा होती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें हर देश को बराबर माना जाता है और बातचीत के जरिए सुधार पर जोर दिया जाता है। भारत इस साल 2026-28 के कार्यकाल के लिए सातवीं बार मानवाधिकार परिषद का सदस्य बना है। आतंकवाद को बताया मानवाधिकारों के लिए बड़ा खतरा भारत ने आतंकवाद को मानवाधिकारों के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताया। खासतौर पर जीवन के अधिकार पर इसके खतरे को रेखांकित करते हुए परिषद से अपील की गई कि वह आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाए और इस मुद्दे पर लगातार ध्यान दे। विकास के अधिकार को भी मिले बराबर महत्व भारत ने कहा कि मानवाधिकारों को अलग-अलग नजरिए से देखने के बजाय सभी अधिकारों को समान महत्व दिया जाना चाहिए। नागरिक और राजनीतिक अधिकारों की तरह आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों के साथ विकास के अधिकार को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारत ने बताया कि विकासशील देशों में गरीबी, बढ़ता कर्ज और आर्थिक संसाधनों व नई तकनीक तक सीमित पहुंच लोगों के अधिकारों के रास्ते में बड़ी रुकावट हैं। इन समस्याओं का समाधान दबाव बनाकर नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही निकाला जा सकता है। भारत ने यह भी कहा कि मानवाधिकार परिषद को अपने उपलब्ध संसाधनों के हिसाब से ही काम करना चाहिए। परिषद में सुधार की प्रक्रिया सदस्य देशों की अगुवाई में और पूरी पारदर्शिता के साथ होनी चाहिए। इस दौरान विकास और आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े काम प्रभावित नहीं होने चाहिए। भारत ने मानवाधिकारों से जुड़े कामों के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट से पर्याप्त धन देने की मांग भी की।

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागीं

सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी ⁄स्क्र के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया।



अदन यमनी सरकार का हेडक्वार्टर : अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है।

सऊदी का मक्का और मदीना में ड्रोन रोकने का दावा : सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है। मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं। सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है। हालांकि, हूतियों ने इस आरोप को खारिज कर दिया था। हूती मक्का और मदीना को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि वे सऊदी अरब के सैन्य और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले करते हैं। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है।

यूक्रेन को बड़ी राहत: 500 पैट्रियट मिसाइलें देगा अमेरिका, जेलेंस्की बोले- सर्दियों से पहले मिलें हथियार

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए अमेरिका की ओर से 500 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने इसे 'मजबूत फैसला' बताया, लेकिन अमेरिका से इन मिसाइलों की आपूर्ति जल्द शुरू करने की अपील की है। जेलेंस्की का कहना है कि यूक्रेन को सर्दियों में ऊर्जा ठिकानों की सुरक्षा के लिए तुरंत इन मिसाइलों की जरूरत है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 500 पीएसी-3 इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार काफी बड़ा है। सर्दियों के दौरान यह यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत कर सकता है। हालांकि, उन्होंने चिंता जताई कि मौजूदा शर्तों के मुताबिक इन मिसाइलों की आपूर्ति कुछ वर्षों बाद ही शुरू हो सकती है।

रूस के हमलों पर क्या बोले जेलेंस्की : उन्होंने कहा, 'हम अपने अमेरिकी साझेदारों से ऐसा समाधान तलाशने की अपील कर रहे हैं, जिससे पीएसी-3 इंटरसेप्टर की आपूर्ति उस समय हो सके, जब वास्तविक खतरा हो और उनकी जरूरत हो।' उन्होंने बताया कि रूसी सेना रोजाना यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को निशाना बना रही है। जेलेंस्की के मुताबिक, अक्तूबर के पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड के महत्वपूर्ण हिस्सों पर 30 से ज्यादा हमले किए। उन्होंने चेतावनी दी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने सर्दियों से पहले लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी



व्यवस्थाओं को ठप करने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। इन हमलों का निशाना बिजली, हीटिंग, पानी की आपूर्ति और पुल हैं।

हर महीने मिलें 100 पैट्रियट मिसाइलें : यूक्रेनी राष्ट्रपति : यूक्रेन ने सर्दियों के लिए हर महीने औसतन 100 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की मांग की है। जेलेंस्की ने कहा कि 500 मिसाइलें आने वाले महीनों में हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अहम होंगी। इस दौरान यूक्रेन के लिए बातचीत में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखना भी जरूरी है। तत्काल जरूरत पूरी करने के लिए जेलेंस्की ने अमेरिका, यूरोपीय साझेदारों और अन्य सहयोगी देशों से अपने मौजूदा भंडार से मिसाइलें देने का प्रस्ताव रखा है। उनका सुझाव है कि 2026-27 की सर्दियों में यूक्रेन को इन भंडारों से मिसाइलें दी जाएं और बाद में नए उत्पादन के जरिए सहयोगी देशों के हथियार भंडार की भरपाई की जाए। उन्होंने कहा, 'हम इस मंजूरी के लिए अमेरिकी विदेश विभाग और पूरे अमेरिकी प्रशासन के आभारी हैं। लेकिन हम ऐसे फैसले चाहते हैं, जो लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

कनाडा बनेगा यूरोपीय संघ का पहला 'एसोसिएट सदस्य'

मॉन्ट्रियल/वाशिंगटन, एजेंसी। कनाडा और यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपने संबंधों को नया आयाम देते हुए नई दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दोनों पक्ष कनाडा को यूरोपीय संघ का पहला 'एसोसिएट सदस्य' बनाने की दिशा में काम करेंगे। यह व्यवस्था पूर्ण सदस्यता से एक कदम पीछे होगी, लेकिन इसके तहत कनाडा को यूरोपीय संघ के साथ व्यापक आर्थिक, व्यापारिक, तकनीकी और रक्षा सहयोग का अवसर मिलेगा। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका ऐलान करते हुए कहा कि कनाडा और यूरोपीय संघ पूर्ण सदस्यता से इतर सबसे गहरी साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके तहत कनाडा यूरोपीय संघ का पहला एसोसिएट सदस्य बन सकता है।

कार्नी ने कहा, 'मॉन्ट्रियल में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने 20 से अधिक नए उपायों पर सहमति बनाई है। इनका उद्देश्य अटलांटिक के दोनों ओर आर्थिक अवसरों को बढ़ाना, लोगों के लिए चीजों को अधिक किफायती बनाना और अपनी संप्रभुता को मजबूत करना है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने भी इस समझौते को ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'यूरोपीय संघ-कनाडा शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने पूर्ण सदस्यता के अलावा हर



संभव क्षेत्र में नजदीकी सहयोग के लिए सहमति बनाई है।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, आने वाले महीनों में दोनों पक्ष इस नई सदस्यता व्यवस्था के स्वरूप, दायरे और विषयों को अंतिम रूप देंगे। 21वां कनाडा-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 29 और 30 अक्टूबर को मॉन्ट्रियल में आयोजित हुआ। इसमें प्रधानमंत्री कार्नी के साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हुईं। सम्मेलन के बाद दोनों पक्षों ने संयुक्त बयान भी जारी किया। इस दौरान व्यापार और तकनीक के क्षेत्र में कई अहम समझौते हुए। कनाडा और यूरोपीय संघ ने डिजिटल व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया और प्रतिस्पर्धा से जुड़े समझौते पर बातचीत पूरी की। इसके अलावा कनाडा यूरोपीय हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग ज्वाइंट अंडरटेकिंग में शामिल हुआ है। इससे कनाडा के शोधकर्ताओं को यूरोप के अत्याधुनिक जुपिटर सुपरकंप्यूटर तक पहुंच मिलेगी। महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। कनाडा ने एक ऐसी संधि रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत यूरोपीय निवेश बैंक कनाडा की महत्वपूर्ण खनिज परियोजनाओं में निवेश कर सकेगा। दोनों पक्ष यूरोप को कनाडा से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के निर्यात को बढ़ाने की संभावनाओं पर भी अध्ययन करेंगे। इसके साथ ही एक नई ट्रांसअटलांटिक डेटा केबल बिछाने पर भी विचार किया जाएगा। शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में कनाडा की भागीदारी बढ़ाने की योजना है। कनाडा यूरोपीय संघ के इरास्मस प्लस कार्यक्रम में व्यापक भागीदारी और अगले होराइजन यूरोप अनुसंधान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बातचीत करेगा। रक्षा सहयोग के मोर्चे पर भी महत्वपूर्ण घोषणा की गई। कनाडा ने यूरोपीय संघ की 'सिक्योरिटी एक्शन फॉर यूरोप' (सेफ) पहल के तहत अपना दूसरा अनुबंध हासिल किया है।



ब्रजभूमि

भगवान श्रीकृष्ण धन्य है, उनकी लीलाएं धन्य है और इसी प्रकार यह भूमि भी धन्य है, जहां वह त्रिभुवनपति मानव रूप में अवतरित हुए और ब्रजभूमि जहां उन्होंने वे परम पुनीत अनुपम अलौकिक लीलाएं की।

जहां कृष्ण ने की अनेक लीलाएं..

हिंदुस्थान में अनेक तीर्थ स्थान हैं, सबका महात्म्य है, भगवान के और-और भी जन्मस्थान हैं पर यहां की बात ही कुछ निराली है। यहां के नगर-ग्राम, मठ-मंदिर, वन-उपवन, लता-कुंज आदि की अनुपम शोभा भिन्न-भिन्न ऋतुओं में भिन्न-भिन्न प्रकार से देखने को मिलती है।

अपनी जन्मभूमि से सभी को प्रेम होता है फिर वह चाहे खुला खंडहर हो और चाहे सुरम्य स्थान, वह जन्मस्थान है, यह विचार ही उसके प्रति होने के लिए पर्याप्त है। इसी से सब प्रकार से सुंदर द्वारका में वास करते हुए भी भगवान श्रीकृष्ण जब ब्रज का स्मरण करते थे, तब उनकी कुछ विचित्र ही दशा हो जाती थी।

जब ब्रज भूमि के वियोग से स्वयं ब्रज के अधीश्वर भगवान श्रीकृष्ण का ही यह हाल हो जाता है, तब फिर उस पुण्यभूमि की रही-सही नैसर्गिक छटा के दर्शन के लिए, उस छटा के लिए जिसकी एक झांकी उस पुनीत युग का, उस जगद् गुरु का, उसकी लौकिक रूप में की गई अलौकिक लीलाओं का अद्भुत प्रकार से स्मरण कराती, अनुभव का आनंद देती और मलिन मन-मंदिर को सर्वथा स्वच्छ करने में सहायता प्रदान करती है, भावुक भक्त तरसा करते हैं।

इसमें आश्चर्य ही क्या है? नैसर्गिक शोभा न भी होती, प्राचीन लीलाचिह्न भी न मिलते होते तो भी केवल साक्षात् परब्रह्म का यहां विग्रह होने के नाते ही यह स्थान आज हमारे लिए तीर्थ था, यह भूमि हमारे लिए तीर्थ थी, जहां की पावन रज को ब्रह्मज्ञ उद्धव ने अपने मस्तक पर धारण किया था।

वह ब्रजवासी भी दर्शनीय थे, जिनके पूर्वजों के भाग्य की सराहना करते-करते भक्त सूरदास के शब्दों में बड़े-बड़े देवता आकर उनकी जूठन खाते थे, क्योंकि उनके बीच में भगवान अवतरित हुए थे।

ब्रज-वासी-पटतर कोउ नाहिं।
ब्रह्म सनक सिव ध्यान न पावत, इनकी जूठनि लै लै खाहिं॥
हलधर कहाौं, छाक जेंवत संग, मीठो लगत सराहत जाहिं।
सूरदास प्रभु जो विश्वम्भर, सो ग्वालनके कौर अघाहिं॥

तब फिर यहां तो अनन्त दर्शनीय स्थान हैं, अनन्त सुंदर मठ-मंदिर, वन-उपवन, सर-सरोवर हैं, जो अपनी शोभा के लिए दर्शनीय हैं और पावनता के लिए भी दर्शनीय हैं। सबके साथ अपना-अपना इतिहास है। यद्यपि मुसलमानों के आक्रमण पर आक्रमण होने से ब्रज की सम्पदा नष्टप्राय हो गई है। कई प्रसिद्ध स्थानों का चिह्न तक मिट गया है, मंदिरों के स्थान पर मस्जिदें खड़ी हैं, तथापि धर्मप्राण जनों की चेष्टा से कुछ स्थानों की रक्षा तथा जीर्णोद्धार होने से वहां की जो आज शोभा है, वह भी दर्शनीय ही है।

कैलास परिक्रमा से मिट जाते हैं जन्मों के कष्ट

तिब्बत स्थित कैलास पर्वत को शास्त्रों में कैलास को मेरू गण पर्वत, रजतगिरि आदि नामों से भी वर्णित किया गया है। इतना ही नहीं कैलास पर्वत शिव आराधना का सर्वोच्च स्थल भी माना गया है। सनातन धर्म के अनुसार यह भगवान आशुतोष व पार्वती का स्थायी निवास है। पुराणों के अनुसार भगवान शिव व पार्वती के नृत्य करने से इसका नाम कैलास हुआ। उपासकों का मत है कि स्वयं भू कैलास पर भगवान शंकर का विशाल राजप्रसाद है। जहां केवल ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश आदि देवों का ही प्रवेश संभव है। कैलास न केवल सनातनधर्मियों बल्कि जैन, बौद्ध व तिब्बितयों के लिए प्रारंभ से ही श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

यहां विराट एवं अतिभव्य लिंग शदल कमल के मध्य में अवस्थित है। इस पवित्र लिंग पर सदैव त्रिपुंड की रचना प्रकृति के पावन करों से होती है। तिब्बती भाषा में कैलास को पवित्र हिम से जाना जाता है। यही कारण है कि तिब्बती कैलास परिक्रमा दंडवत लेट-लेट कर पूर्ण करते हैं। कैलास परिक्रमा मार्ग दरचन से प्रारंभ होता है जो लगभग 54 किलोमीटर का है। मार्ग के क्रम में न्याडीगुम्फा, दिरापुक, दोल्माघाटी, गौरीकुंड व जुन्धुलुपुक आदि मनोहारी व रमणीक स्थल पड़ते हैं। इनमें समुद्र तल से 18600 फीट की ऊंचाई पर स्थित दोल्माघाटी कैलास परिक्रमा का सर्वोच्च उच्च स्थल है। 14600 फीट की ऊंचाई पर कैलास से 20 मील पूर्व ही दो पवित्र सरोवर राक्षसताल व मानसरोवर बरबस ही उपासकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। राक्षसताल के संबंध में वर्णित है कि इसी स्थल पर लंकापति रावण ने खड़े होकर भगवान आशुतोष की अर्चना की थी जबकि मानसरोवर में भगवती सती की दाहिनी हथेली गिरी थी। ऐसा मत है कि यहां की शक्ति दाक्षयाणी व भैरव अमर हैं। ग्रीष्म ऋतु में मानसरोवर के पवित्र जल में तैरते हुए राजहंस व उत्ताल तरंगों की सुमधुर ध्वनि शैल शिखरों से प्रतिध्वनित होकर उत्पन्न नैसर्गिक संगीत का खुशनुमा वातावरण उपासकों को प्रकृति व अध्यात्म के समीप खींच लाती है जिससे उपासक को अलौकिक शांति का अनुभव होता है। जैन ग्रंथों में जहां मानसरोवर को पद्मपद से वर्णित किया गया है। मानसरोवर के पश्चिम में स्थित राक्षसताल की छटा ही निराली है। मानसरोवर स्थित मां शक्ति की प्रतिमा पाषाण रूप में है। जहां मां भगवती की अर्चना होती है। विभिन्न साहित्यकारों व कवियों ने अपने साहित्य में मानसरोवर की महत्ता का सुंदरतम वर्णन किया है जिनमें कवि कालिदास के मेघदूत आदि ग्रंथ मुख्य हैं। कैलास के अप्रतिम सौंदर्य व भगवान शंकर के सर्वोच्च उपासना स्थल होने के कारण उपासक प्रतिवर्ष श्रद्धापूर्वक कैलास परिक्रमा हेतु जाते हैं। पुराण में वर्णित है कि कैलास की एक प्रक्रिमा से ही जन्म- जन्मांतर के पाप कर्म ढेर हो जाते हैं।



दांपत्य जीवन को बनाएं तनावरहित

आज का यह बदलता परिवेश सिर्फ जीवनशैली में ही प्रभाव नहीं डालता अपितु वैवाहिक जीवन में भी परेशानी का सबब बन रहा है। कई दम्पतियों में आपसी सामंजस्य एवं प्रेम का अभाव देखने को मिल ही जाता है। दम्पति में नौबत तलाक तक भी पहुंच जाती है। ऐसे में न सिर्फ प्रभावित दम्पति, वरन् पूरा परिवार परेशान हो जाता है। दाम्पत्य जीवन में सुख के लिए ये उपाय लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं-

- यदि किसी अन्य पुरुष अथवा स्त्री के कारण दाम्पत्य क्लेशपूर्ण बन रहा है, तो 7-7 गोमती चक्र, लघु नारियल एवं लघु शंख लें। इन्हें सवा गज के नए पीले वस्त्र में बांध लें। इसे प्रभावित (पति अथवा पत्नी) पर से सात बार उसार का बहते पानी में बहा दें। बहाने के बाद पीछे मुड़कर देखे बगैर सीधे घर लौट आएं।
- यदि दम्पति अथवा समूचे परिवार में वैचारिक मतभेद रहता है, तो प्रातःकाल उठते ही जिस मटके से परिवार के सभी सदस्य जल पीते हैं, उससे एक लोटा पानी भरें और उसे पूरे घर के प्रत्येक कक्ष में तथा छत पर छिड़कें। इस दौरान किसी से बात नहीं करें, साथ ही मन ही मन ॐ शांति का निरंतर उच्चारण करते रहें।
- परिवार में यदि पति-पत्नी के मध्य क्लेश रहता हो अथवा अन्य पारिवारिक सदस्यों के मध्य वैचारिक मतभेद अधिक रहते हों, तो प्रतिदिन इस मंत्र का 108 बार जपें-

धां धीं धूं धूर्जटेः पत्नी वां वीं वूं वागधीश्वरी।
क्रां क्रीं क्रूं कालिका देवि शां शीं शूं मे शुभं कुरु।

- नवरात्र, दीपावली किसी भी शुभ मुहूर्त में घर में तुलसी का पौधा लगाएं। उसमें प्रतिदिन सायंकाल घी का दीपक प्रज्वलित करें। इससे परिवार अथवा प्रभावित दम्पति में सुख-शांति कायम रहेगी।

ऐसे लोगों को मिलती है कैरियर में कामयाबी

आज हर व्यक्ति पैसा कमाने के लिए निरंतर प्रयोग करता रहता है। अच्छा कैरियर किसे पसंद नहीं होता। अच्छे कैरियर के लिए चुवा तरह-तरह कि जतन किया करते हैं। लेकिन जीवन में सफलता के लिए सबसे जरूरी है सही कैरियर का चुनाव। क्योंकि अक्सर कैरियर का सही चुनाव नहीं कर पाने के कारण ही व्यक्ति को जीवन में बड़ी कामयाबी नहीं मिल पाती है। अंक ज्योतिष में कैरियर के चुनाव के लिए एक बहुत ही आसान तरीका बताया गया है। इस तरीके को आजमाएं तो आप खुद ही अपने लिए सही कैरियर का चुनाव कर पाएंगे और अपने क्षेत्र में कामयाब व्यक्ति कहलाएंगे।

अंक ज्योतिष अनुसार हर व्यक्ति का एक मूलांक होता है। इस अंक को ज्ञात करके व्यक्ति अपने लिए सही कैरियर का चुनाव करे तो कामयाबी उसके कदम चूमती हैं क्योंकि मूलांक जिस क्षेत्र में कैरियर का संकेत देता है उस क्षेत्र में सफलता के लिए जो गुण चाहिए वह व्यक्ति में मौजूद होता है। जैसे किसी व्यक्ति का मूलांक 1 होता है तो उनमें नेतृत्व की योग्यता होती है। ऐसे व्यक्ति राजनीति एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कामयाब होते हैं। वकालत के अलावा जिन क्षेत्रों में अधिक जोश और उत्साह की जरूरत होती है जैसे सेना, पुलिस के क्षेत्र में इन्हें सफलता मिल ही जाती है। फोटोग्राफी, ग्राफिक डिजाईनर, नाविक, नौसेना, ठेकेदारी, व्यवसाय एवं शिल्पकला के क्षेत्र में भी यह कामयाब होते है।

कर्ज से जल्दी मुक्ति पाने के लिए अपनाएं यह उपाय

देश और दुनिया में हो रहे विकास से लोगों विलासिता का सुख भोगने से अपने आप को कभी दुर नहीं रख पाते। इन सुखों के लिए लोग कर्ज लेने से भी पीछे नहीं हटते। जबकि एक तरह से कर्ज मानव जीवन के लिए अभिशाप होता है। जिस व्यक्ति पर कर्ज है वो व्यक्ति जिन्दा रहते हुए भी चलती - फिरती लाश के समान है। लेकिन इन उपायों से आप कर्ज को जल्द से जल्द से चुकता कर सकते है-

1. अगर आप कर्ज की प्रथम किरत शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारंभ करते है तो शीघ्र आप ऋण से मुक्ति पा लेंगे।
2. घर का सारा कबाड़ अमावस्या या शनिवार को घर से बाहर करें।
3. मंगलवार को कभी कर्ज न लें।
4. प्रतिदिन श्री सूक्त का पाठ स्फटिक श्री यंत्र के सामने करने से लक्ष्मी का आगमन होता है।
5. कभी भी बुधवार को कर्ज न दें।
6. 5 मंगलवार हनुमान जी के मंदिर में 5-5 पीस मीठे देसी घी के रोट का भोग लगाए।
7. व्यवसाय, मकान बनवाने हेतु कर्ज जन्मकुंडली की विवेचना करवाने के पश्चात लें।
8. प्रत्येक मंगलवार ऋण मोचक मंगल स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।
9. सुबह उठते ही सबसे पहले एक मुट्ठी चावल पंक्षियों को चुगने के लिए डालिए।
10. घर में कभी कोई भी मेहमान या अचानक कोई भी आए कुछ न कुछ अवश्य खिलाएं नहीं तो पानी तो अवश्य ही पिलाएं।
11. शराब, मांस, नशे की चीजों से पूरी तरह से दूर रहें।

जीवन मे रंगो को महत्व

कई लोगो को सादा जीवन पसंद है तो कईयों को रंगीन। क्या कभी आपने सोचा है कि इन रंग-बिरंगे रंगों को हमारे जीवन में क्या महत्व है। रंगों का हमारे जीवन व स्वास्थ्य पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। कहा जाता है कि रंग नेत्रों के माध्यम से हमारे मानस में प्रविष्ट होते है एवं हमारे स्वास्थ्य, चिंतन, आचार-विचार आदि पर इनका गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः उचित रंगों का प्रयोग कर हम वांछित लाभ पा सकते हैं। किसी जातक की सफलता उसके कर्मों और कुछ हद तक लाइफस्टाइल पर भी निर्भर करती है। वैसे तो प्रत्येक दिन का अपना अपना महत्व होता है लेकिन ज्योतिष के अनुसार सप्ताह के दिनों का संबंध ग्रहों की स्थिति पर आधारित होता है।प्रत्येक दिन का एक नंबर होता है। उन रंगों का चयन करके अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। रंग हमारे विचारों को प्रभावित करते हैं तथा हमारी सफलता व असफलता के कारक भी बनते हैं। शुभ रंग भाग्योदय कारक होते हैं और अशुभ रंग भाग्य में कमी करते हैं।

सोमवारः सफेद	मंगलवारः लाल
बुधवारः हरा	गुरुवारः पीला
शुक्रवारः सफेद	शनिवारः काला
रविवारः नारंगी	

सर्दियों में बदला सरकारी अस्पतालों की ओपीडी का समय

देहरादून। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी अस्पतालों में ओपीडी (डढऊ) के समय में बदलाव कर दिया है। एक नवंबर से जिले के विभागीय अस्पतालों में शीतकालीन समय सारणी लागू हो गई है। इसके तहत अब मरीजों को सुबह आठ बजे के बजाय नौ बजे अस्पताल पहुंचना होगा। डॉक्टर सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक मरीजों का उपचार करेंगे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लागू की गई नई व्यवस्था के अनुसार पहले सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक संचालित होती थी। सर्दियों में सुबह के समय बढ़ती ठंड को देखते हुए ओपीडी का समय एक घंटे आगे बढ़ाया गया है। इससे मरीजों को सुबह जल्दी अस्पताल पहुंचने की परेशानी से राहत मिलेगी।

जिले के प्रमुख अस्पतालों में लागू हुई नई समय सारणी

देहरादून जिले के कोरोनेशन अस्पताल,



प्रेमनगर अस्पताल, रायपुर अस्पताल, डोईवाला अस्पताल और ऋषिकेश सहित विभागीय अस्पतालों में नई ओपीडी समय सारणी लागू कर दी गई है।

अब इन अस्पतालों में सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक चिकित्सक मरीजों को परामर्श देंगे। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को पंजीकरण और चिकित्सकीय परामर्श के लिए निर्धारित समय का ध्यान रखना होगा।

मेडिकल कॉलेजों में पूरे साल यही रहता है समय

वहीं, मेडिकल कॉलेजों में ओपीडी का समय पूरे वर्ष सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक निर्धारित रहता है। ऐसे में सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की ओपीडी समय सारणी अब एक समान हो गई है।

अस्पताल जाने से पहले जरूर करें समय की पुष्टि

स्वास्थ्य विभाग की नई व्यवस्था के बाद मरीजों और उनके तीमारदारों को अस्पताल जाने से पहले ओपीडी का समय जरूर जांच लेना चाहिए। खासकर दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को नई समय सारणी की जानकारी होने से अनावश्यक इंतजार और परेशानी से बचने में मदद मिलेगी।

कलसिया नाले पर बेली ब्रिज तैयार, दीवाली के बाद होगा आवागमन

हल्द्वानी। काठगोदाम के कलसिया नाले पर वैली ब्रिज बनकर तैयार हो गया है। मुख्य रोड से बैली ब्रिज तक पहुंचने के लिए एप्रोच रोड का काम भी पूरा कर लिया गया है।

लोनिवि के अधिकारियों के मुताबिक दीपावली के बाद बैली ब्रिज का ट्रायल लेने के बाद इसे यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। बता दें कि दो साल पहले बरसात में कलसिया नाले का पुराना पुल क्षतिग्रस्त हो गया था जिससे काठगोदाम से नैनीताल और भीमताल जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

छह माह पहले शासन ने कसलिया नाले में टू लेन पक्का पुल स्वीकृत किया था। पुराने बैली ब्रिज के स्थान पर पक्का पुल बनना है लिहाजा पुराने बैली ब्रिज को वहां से हटाना है। लोनिवि के सहायक अभियंता प्रमोद सुयाल ने बताया कि प्रोटेक्शन वर्क शेष रह गया है। उन्होंने बताया कि दीपावली के बाद इसे यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

फर्जी प्रमाणपत्रों से शिक्षक बने तीन सहायक अध्यापकों पर मुकदमा दर्ज

अल्मोड़ा। उत्तराखंड अध्यापक पात्रता परीक्षा (यूटीईटी) के फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर प्राथमिक शिक्षक की नौकरी हासिल करने वाले तीन सहायक अध्यापकों के खिलाफ पुलिस ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। शिक्षा विभाग की जांच में तीनों शिक्षकों के प्रमाणपत्र और अंकपत्र फर्जी पाए गए थे। विभागीय जांच के बाद तीनों को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। अब पुलिस ने मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू करते हुए आरोपियों के खिलाफ जांच तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिक्षा विभाग की ओर से मिली तहरीर के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपियों के दस्तावेजों और नियुक्ति से संबंधित अभिलेखों की जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के बाद शुरू हुई दस्तावेजों की जांच

शिक्षा विभाग के मुताबिक, भैसियाछाना ब्लॉक के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुनखेत नवीन में तैनात भूपेंद्र कुमार निवासी खड़की, पिथौरागढ़, राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोड़ा में तैनात अंजना गवासिकोटी तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय बुढ़ाथोरा में तैनात प्रियांशु चंद्र निवासी कुमाऊं कॉलोनी, दमुवाढूंगा, हल्द्वानी को जनवरी 2026 में नियुक्ति दी गई थी।शिक्षकों के प्रमाणपत्रों को लेकर शिकायत मिलने के बाद शिक्षा विभाग ने उनके दस्तावेजों की जांच कराई। इसके लिए संबंधित अभिलेख उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर भेजे गए थे।

परिषद की जांच में सामने आया फर्जीवाड़ा

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की छह जुलाई की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि तीनों अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक और अंकपत्रों पर दर्ज क्यूआर कोड पूरी तरह फर्जी थे। परिषद के मूल टेबुलेशन रजिस्टर में भी इन अभ्यर्थियों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला।

जांच में प्रमाणपत्रों की सत्यता संदिग्ध पाए जाने के बाद विभागीय स्तर पर मामले की गंभीरता से जांच की गई। विभागीय जांच समिति की 14 जुलाई की अंतिम रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक डॉ. रवि मेहता ने तीनों सहायक अध्यापकों को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया।

पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मुकदमा

शिक्षा विभाग की ओर से तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है।

विदेश में नौकरी का सपना देखा, ठगी में फंसा युवक



रुद्रपुर/देहरादून। विदेश में नौकरी पाने और बेहतर भविष्य का सपना देखने वाले बेरोजगार युवाओं को कथित तौर पर ठगी का शिकार बनाने का मामला सामने आया है। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले में पुलिस ने विदेश में नौकरी और वर्क परमिट दिलाने के नाम पर लाखों रुपये वसूलने के आरोप में जेड ग्लोबल के संचालक अलीम खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कार्यालय से 61 पासपोर्ट, एक डायरी और अवैध पिस्टल बरामद की है। मामले में एक युवक की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस अब इस कथित नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार, आरोपी पर दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवक से दो लाख रुपये लेने और उसे कथित तौर पर विजिटर वीजा पर विदेश भेजने का आरोप है। वहीं, आर्मेनिया में नौकरी दिलाने के नाम पर आठ युवाओं से कुल 19 लाख 27 हजार 500 रुपये वसूलने की बात भी सामने आई है। इनमें से सात युवा वर्तमान में आर्मेनिया में फंसे होने की जानकारी मिली है। उनके परिजनों ने पुलिस से सुरक्षित भारत वापसी और ठगी गई रकम वापस दिलाने की मांग की है।

इग्नू ने शुरू की ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने की सुविधा

नैनीताल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने ओडीएल और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी राहत दी है। इग्नू ने सत्रीय कार्य जमा करने के लिए ऑनलाइन सत्रीय कार्य प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की है। अब विद्यार्थी बिना किसी परेशानी के घर बैठे ही अपने असाइनमेंट ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। इसके लिए छात्रों को इग्नू के आधिकारिक समर्थ पोर्टल पर जाना होगा। इग्नू समन्वयक प्रो. चंद्रकला रावत ने जानकारी दी कि असाइनमेंट अपलोड करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर निर्धारित की गई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि जो विद्यार्थी पूर्व में अपने असाइनमेंट ऑफलाइन या किसी अन्य माध्यम से जमा कर चुके हैं, उन्हें इसे दोबारा अपलोड करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

दिल्ली जाने वाली उत्तराखंड रोडवेज की 200 बसों का संचालन प्रभावित

देहरादून। उत्तराखंड परिवहन निगम की दिल्ली रूट पर संचालित होने वाली करीब 200 बसों का परिचालन प्रभावित होने जा रहा है। नई दिल्ली में लागू वाहन संबंधी नियमों के चलते बीएस–6 मानक पूरा नहीं करने वाली बसें दिल्ली में प्रवेश नहीं कर सकेंगी। इसके चलते रविवार से उत्तराखंड रोडवेज की लगभग 200 बसों का दिल्ली जाना बंद होने की जानकारी सामने आई है।इसका सबसे अधिक असर देहरादून–दिल्ली मार्ग पर संचालित होने वाली लग्जरी वोल्वो बस सेवाओं पर पड़ने की संभावना है। यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए परिवहन निगम ने उपलब्ध वोल्वो और एसी बसों के फेरे बढ़ाने की तैयारी की है। वहीं, दिल्ली रूट से प्रभावित बसों को आगरा, लखनऊ चंडीगढ़ समेत अन्य शहरों के मार्गों पर संचालित करने की योजना बनाई जा रही है।

बीएस–6 मानक पूरा नही करने वाली बसों पर असर

उत्तराखंड परिवहन निगम प्रतिदिन प्रदेश के विभिन्न मार्गों पर औसतन 934 बसों का संचालन करता है। इनमें से करीब 400 बसें



दिल्ली के लिए संचालित होती हैं। निगम प्रबंधन के अनुसार, लगभग 200 बसें बीएस–6 मानक के अनुरूप नहीं हैं। इनमें 12 वोल्वो बसें भी शामिल हैं। नए नियमों के चलते इन बसों के दिल्ली जाने पर रोक लगने से परिवहन निगम के सामने संचालन व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। खासकर देहरादून–दिल्ली मार्ग पर यात्रियों को लग्जरी बसों की उपलब्धता प्रभावित होने की आशंका है।

इस मार्ग पर वर्तमान में करीब 25 वोल्वो बसें संचालित होती हैं। इनमें से 12 बसों के प्रभावित होने से यात्रियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं में कमी आ सकती है। ऐसे में निगम शेष बसों के फेरे बढ़ाकर यात्री सुविधा बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

वोल्वो और एसी बसों के बढ़ाए जाएंगे फेरे

परिवहन निगम के महाप्रबंधक संचालन क्रांति सिंह के अनुसार, करीब 200 बसें अब नई दिल्ली नहीं जा सकेंगी। यात्रियों को राहत देने के लिए निगम उपलब्ध बसों के फेरे बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल छह वोल्वो बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे, जिससे वोल्वो सेवाओं की संख्या बढ़कर 26 हो जाएगी। निगम के पास सीएनजी की दो बसें भी हैं। इसके अलावा पर्वतीय मार्गों पर नई बसें उपलब्ध होने से यात्रियों की सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने का प्रयास किया जाएगा। परिवहन निगम का कहना है कि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

एक माह के लिए स्थगित हुआ रोडवेज कर्मियों का धरना

हल्द्वानी।रोडवेज कर्मचारियों के आंदोलन से दूसरे दिन शनिवार को भी बसों के पहिये थमे रहे। हालांकि, परिवहन मंत्री के साथ हुई बातचीत के बाद एक माह के लिए आंदोलन स्थगित कर दिया गया है। कर्मचारियों ने साफ कहा है कि अगर उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं हुआ तो एक दिसंबर से संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कमल पपनै ने शाम 6:30 बजे काठगोदाम डिपो में आंदोलन स्थगित करने की घोषणा की। उन्होंने आंदोलन में सहयोग देने वाले कर्मचारियों का आभार जताया। कहा कि आगे की रणनीति संयुक्त मोर्चा के माध्यम से तय होगी। इससे पहले कार्य बहिष्कार के दूसरे दिन भी काठगोदाम और हल्द्वानी डिपो की बस सेवाएं बुरी तरह प्रभावित रहीं। दिल्ली, देहरादून, आगरा, मथुरा, हरिद्वार, बरेली, जयपुर और टनकपुर समेत कई मार्गों पर बसें नहीं पहुंचीं। लोकल रूटों पर भी संचालन बाधित रहा। हालांकि देर शाम बसों का संचालन सभी मार्गों पर सुचारू करा दिया गया।

सिस्टम ने की अनदेखी, ग्रामीणों ने शिप्रा पर बनाया अस्थायी पुल

गरमपानी (नैनीताल)। बेतालघाट ब्लॉक के डोबा गांव में शिप्रा नदी को पार करने के लिए ग्रामीण लंबे समय से सरकार और शासन–प्रशासन से पुल निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। पुल का निर्माण नहीं होने पर नाराज ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से शिप्रा नदी पर लकड़ी का अस्थायी पुल बनाया है। उन्होंने आगामी बरसात से पहले नदी पर पुल बनाने की मांग प्रशासन से की है।क्षेत्र के संतोष कुमार और सुमित कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से लगातार सरकार व शासन–प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए लेकिन पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों पर अनदेखी का आरोप लगाया। कहा कि लोग जोखिम उठाकर नदी पार कर रहे हैं जिससे स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।उन्होंने बताया कि बरसात के बाद नदी का जलस्तर कम होने और ठंड के मौसम को देखते हुए ग्रामीणों ने लकड़ी का अस्थायी पुल बनाकर आवाजाही शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से नदी पर जल्द पुल का निर्माण कार्य करने की मांग की है।

दूध, पनीर, खोया के वाहनों की जांच की

कालाढूंगी। आगामी दीपावली त्योहार के मद्देनजर खाद्य विभाग की टीम ने कालाढूंगी, कोटाबाग में मिठाइयों की दुकानों पर चेकिंग की। वहीं नयागांव में खुले खाद्य पदार्थ जैसे दूध, पनीर, खोया आदि के 48 से अधिक वाहनों को रोक कर जांच की गई। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी असलम खान ने बताया कि टीम ने कालाढूंगी बाजार, चकलुआ, कोटाबाग में 12 से अधिक दुकानों से सैंपल लिए। बताया कि सूजी, बेसन, रिफाइंड तेल, मिल्क पाउडर आदि के नमूने जांच के लिए लैब भेज दिए। दौरान डिप्टी कमिश्नर अशोक कुमार, असिस्टेंट कमिश्नर अजब सिंह रावत आदि शामिल रहे।

प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाया हुनर का जादू

नैनीताल। सेंट जॉन्स स्कूल में नेक्सस 2026 कला, विज्ञान, शिल्प एवं ऐपण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में नैनीताल विधायक सरिता आर्या मुख्य अतिथि और सांसद प्रतिनिधि गोपाल सिंह रावत विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रदर्शनी में छात्र–छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और मेहनत का प्रदर्शन कर दर्शकों को प्रभावित किया।विद्यार्थियों ने गणित के सिद्धांतों को समझाने वाले मॉडल, विज्ञान के प्रयोगों पर आधारित प्रोजेक्ट और सामाजिक विज्ञान के माध्यम से पर्यावरण से जुड़े विषयों को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया।

ग्रामीण विकास में ब्लॉक प्रमुखों की भूमिका अहम: मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्य सेवक सदन में उत्तराखंड ब्लॉक प्रमुख संगठन द्वारा आयोजित प्रमुख संगठन सम्मेलन–2026 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर से आए ब्लॉक प्रमुखों एवं संगठन के पदाधिकारियों के साथ आत्मीय संवाद किया। सम्मेलन में ग्रामीण विकास को गति देने, क्षेत्र पंचायतों को सशक्त बनाने तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका को और प्रभावी बनाने से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ग्रामीण विकास की यात्रा में ब्लॉक प्रमुखों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, विकास योजनाओं का प्रभावी क्रिान्वयन, जनसमस्याओं का समाधान तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति देने में ब्लॉक प्रमुख महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और सरकार के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। ब्लॉक प्रमुख अपने क्षेत्र की स्थानीय आवश्यकताओं और जनसमस्याओं से सीधे जुड़े होते हैं। ऐसे में उनके अनुभव और सुझाव



ग्रामीण विकास की योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

क्षेत्र पंचायतों को सशक्त बनाने पर मंथन

सम्मेलन के दौरान क्षेत्र पंचायतों को सशक्त बनाने, विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जनप्रतिनिधियों के अधिकारों एवं दायित्वों को लेकर सार्थक चर्चा हुई। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सामने आने वाली स्थानीय समस्याओं, विकास योजनाओं के क्रिान्वयन में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार–विमर्श किया गया। सम्मेलन में ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देने तथा क्षेत्र पंचायतों की कार्यक्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

गांवों के विकास में जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका

उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों का विकास प्रदेश की समग्र प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं को गांवों तक पहुंचाने में क्षेत्र पंचायतों की भूमिका अहम मानी जाती है।

ब्लॉक प्रमुख अपने–अपने क्षेत्रों में विकास योजनाओं के संचालन और स्थानीय समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसे में प्रमुख संगठन सम्मेलन–2026 को ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर संवाद और विचार–विमर्श का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है।

मुख्य सेवक सदन में आयोजित इस सम्मेलन के माध्यम से प्रदेशभर के ब्लॉक प्रमुखों और संगठन के पदाधिकारियों को ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखने का अवसर मिला। सम्मेलन में क्षेत्र पंचायतों की मजबूती, जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी और गांवों के समग्र विकास को लेकर सार्थक संवाद हुआ।

देर रात पुलिस–बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो बदमाश घायल

देहरादून।राजधानी देहरादून में रविवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पटेलनगर थाना क्षेत्र के नयागांव के पास चेकिंग के दौरान फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम द्वारा पीछा किए जाने पर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान बदमाशों की गोली पुलिस की बोलेरो गाड़ी की विंडस्क्रीन पर जा लगी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। घायल बदमाशों की पहचान समीम पुत्र इलियास और शहजाद पुत्र इखलाक निवासी रुड़की, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। दोनों को उपचार के लिए प्रेमनगर चिकित्सालय भेजा गया है।

चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भागे बदमाश

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात पटेलनगर क्षेत्र के नयागांव के पास पुलिस की टीम संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल पर



सवार दो युवक वहां पहुंचे। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों युवक रुकने के बजाय बाइक लेकर बुडपुर की ओर भाग निकले।

पुलिस टीम ने तत्काल उनका पीछा शुरू किया। पीछा किए जाने के दौरान बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग में पुलिस की बोलेरो गाड़ी की विंडस्क्रीन पर गोली लगी। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों बदमाश घायल हो गए।

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और इसके बाद अस्पताल पहुंचकर घायल बदमाशों के संबंध में जानकारी ली।

पटेलनगर, विकासनगर और सहसपुर में नकबजनी की कई वारदातों का खुलासा

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने देहरादून के पटेलनगर, विकासनगर और सहसपुर थाना क्षेत्रों में नकबजनी की कई घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी रविवार रात भी किसी अन्य आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से निकले थे।

जोहार महोत्सव : माया लायो कालीपारि, दिल बस्यो हल्द्वानीमा

हल्द्वानी। जोहार महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को मंच पर सुरों की महफिल सजी। नेपाल के लोकगायक सुरेश शाही ने गाया माया लायो कालीपारि, दिल बस्यो हल्द्वानीमा, उतै डांडा काटियो, तिम्रो यादले सतायो गीत की प्रस्तुति दी।उनके बाद जितेंद्र तोमक्याल ने कुमाऊंनी में समा बांधा। घुघुति घुरण लागी, मेरी बाखली उजाड़, हिटो म्यर पहाड़, यो दगड़्या रंगदार और कमल महरा ने आखिर में धमाल मचाते हुए गाया – तू ऐजा पहाड़, बंजर भईगे खेत, रुनझुन बाजे पायल, मेरी ठुमका वाली नजाव। इस बीच दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से एमबी इंटर कॉलेज मैदान गुंजायमान हो गया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि जोहार शौका संस्कृति उत्तराखंड का गहना है। इसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का यह महोत्सव अद्भुत प्रयास है। जोहार सांस्कृतिक एवं वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष देवेंद्र सिंह धर्मशक्तू, संयोजक नरेंद्र टोलिया ने विधायक भगत और विशिष्ट अतिथि पूर्व आईजी गणेश सिंह मतोलिया को पारंपरिक शौका टोपी पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया।

दिल्ली में कांग्रेस की महारैली, उत्तराखंड से पहुंचे 25 हजार कार्यकर्ता

देहरादून। दिल्ली में 1 नवंबर को कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित होने जा रही ह्यवोट बचाओ, देश बचाओह्न महारैली को लेकर उत्तराखंड कांग्रेस ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने महारैली में उत्तराखंड से करीब 25 हजार कार्यकर्ताओं और समर्थकों के शामिल होने का दावा किया है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने महारैली को परिवर्तनकारी बताते हुए कहा कि दिल्ली में होने वाला यह शक्ति प्रदर्शन देश की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने का काम करेगा।

कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, महारैली में शामिल होने के लिए उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता दिल्ली पहुंच रहे हैं। पार्टी का दावा है कि महारैली को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ–साथ आम लोगों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। कांग्रेस इसे लोकतंत्र, मताधिकार और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अभियान के रूप में पेश कर रही है।

राहुल गांधी की ललकार और खड़गे की हुंकार सुनने को बेताब है देश : हरीश रावत

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि दिल्ली में आयोजित



होने जा रही कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की महारैली ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि लाखों भारतवासी इस रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचना चाहते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ललकार और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हुंकार सुनने के लिए पूरा देश बेताब है।

हरीश रावत ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी नेता एक मंच से लोकतंत्र और देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि महारैली का प्रभाव केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर पूरे देश की राजनीति पर पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में देश का लोकतंत्र और नागरिकों के वोट देने का अधिकार खतरे में है। नौकरी पाने का अधिकार और स्वाभिमान के साथ जीवन जीने का अधिकार भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेता महारैली में संकल्प लेंगे।

उत्तराखंड से 25 हजार लोगों के शामिल होने का दावा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि दिल्ली में होने वाली महारैली में उत्तराखंड के अलग–अलग जिलों से करीब 25 हजार लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच महारैली को लेकर उत्साह का माहौल है और राहुल गांधी के आह्वान पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचेंगे। गणेश गोदियाल ने कहा कि महारैली को सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

भारत VS न्यूजीलैंड



कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं।

रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।'

उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।'

पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज... श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में चेज किए 326 रन



लाहौर। पाकिस्तान ने लाहौर में खेले गए त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को तीन विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान ने 326 रन के मुश्किल लक्ष्य को 48.3 ओवर में सात विकेट खोकर हासिल किया। इसके साथ ही टीम ने वनडे फाइनल में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले भारत ने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में 326 रन का लक्ष्य हासिल किया था। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने आठ विकेट पर 325 रन बनाए। उसके लिए कामिंदु मेंडिस ने शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 128 गेंदों में 131 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे।

हार्दिक पांड्या का बड़ा दिल... बेसबॉल चैलेंज में जीते लाखों रुपये, जरूरतमंदों को दे दिए दान



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इन दिनों क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार हार्दिक अपने क्रिकेट बैट नहीं, बल्कि बेसबॉल बैट से कमाल दिखाने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने मशहूर कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के साथ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया और करीब 94.9 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। खास बात यह है कि हार्दिक ने जीती हुई पूरी रकम चैरिटी के लिए दान कर दी। दरअसल, मिस्टर बीस्ट ने अपने एक वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को शामिल किया था। इसमें क्रिकेट जगत से हार्दिक पांड्या को मौका दिया गया। इस चैलेंज में प्रतिभागियों को बेसबॉल बैट से गेंद को मैदान के बाहर पहुंचाना था। मुकाबले में ज्यादा होम रन लगाने वाले खिलाड़ी को विजेता बनना था।

हायलो ओपन

सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे

लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने का मौका



नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने हायलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जर्मनी के सारब्रूकेन में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने सीधे गेम में जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत के पास महिला और पुरुष एकल दोनों वर्गों में खिताब जीतने का मौका है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन ने फ्रांस के विश्व नंबर-13 टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से शिकस्त दी।

लक्ष्य सेन ने पोपोव को दी शिकस्त

पुरुष एकल के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से लक्ष्य खराब दौर से गुजर रहे थे। चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। हालांकि, जर्मनी में उन्होंने शानदार वापसी की। पहले गेम में पोपोव ने लक्ष्य को चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी रक्षात्मक क्षमता और सटीक स्मैश के दम पर 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना ली और बाद में इसे सात अंकों तक पहुंचा दिया। अंत में शानदार स्मैश के साथ उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दूसरे सप्ताह फाइनल में पहुंचीं सिंधू

पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने अपनी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने महिला एकल के सेमीफाइनल में 19 वर्षीय अनमोल खरब को कोई मौका नहीं दिया। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर वापसी की। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीता।दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय अनमोल 15-13 से आगे थीं, लेकिन सिंधू ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बनाई और 21-16 से गेम जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। जीत के बाद सिंधू ने कहा, 'मैं काफी लंबे समय बाद उनके खिलाफ खेल रही थी। यह देखकर अच्छा लगा कि सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी पहुंची थीं। हालांकि, मेरे लिए प्रतिद्वंद्वी कौन है या उसकी रैंकिंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपना खेल खेल रही थी और अपना शत-प्रतिशत दे रही थी। मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में जगह बनाई।' फाइनल में सिंधू का सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से होगा।

लड़ने का जज्बा नहीं दिखा... हार बर्दाश्त नहीं कर पाए वॉर्नर

केपटाउन / नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में है। टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से नाराज पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने खिलाड़ियों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केपटाउन टेस्ट में मिली हार को शर्मनाक बताते हुए कहा कि टीम में संघर्ष करने का जज्बा नजर नहीं आया। वॉर्नर ने इस प्रदर्शन को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मूल्यों के भी खिलाफ बताया।

केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 288 रनों का लक्ष्य मिला था। हालांकि, पांचवें दिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव से उबर नहीं सकी। महज 18 ओवर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 42 रन पर छह विकेट हो गया। इसके बाद पूरी टीम 111 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।वॉर्नर ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से बातचीत में टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए कहा, 'मैं बहुत निराश हूं। यह बहुत बुरा है। यह ऑस्ट्रेलियाई मूल्यों के खिलाफ है। टीम में लड़ने का कोई जज्बा ही नहीं दिखा। यह शर्मनाक है। 288 रन का लक्ष्य था। आप टेस्ट मैच जीत सकते थे और सीरीज भी अपने नाम कर सकते थे। सब कुछ दांव पर लगा था। क्या वह इसी तरह खेलते हैं?' उन्होंने आगे कहा कि पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को निराश किया। पहले टेस्ट में मैट रेनशॉ को



छोड़कर बाकी बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। वॉर्नर ने कहा कि बल्लेबाजों को कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाज की चुनौती का अंदाजा होना चाहिए था, लेकिन वे उसका सामना करने में नाकाम रहे।

तीनों टेस्ट में देखने को मिली शानदार वापसी

इस टेस्ट सीरीज की खास बात यह रही कि तीनों मुकाबलों में मुश्किल परिस्थितियों में पिछड़ने वाली टीम ने शानदार वापसी की। डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने एक समय 124 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने वापसी करते हुए पहली पारी में 390 रन बनाए। इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 214 रनों से जीत लिया।दूसरे टेस्ट में गेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 110 रन पर छह विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इसके बावजूद मेजबान टीम ने 425 रन पर नौ विकेट के स्कोर पर पारी घोषित कर दी और ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 31 रनों से शिकस्त दी।

साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई टीम इंडिया पांचवां टी-20 गंवाया... मगर सीरीज जीती



हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मैच सात विकेट से अपने नाम किया। भारत ने हैमिल्टन में 192 का टारगेट दिया, जिसे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर चेज किया। न्यूजीलैंड ने भले ही हैमिल्टन में जीत दर्ज की लेकिन भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर 3-2 से कब्जा जमाया। टीम इंडिया पांचवें टी20 में टिम साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई। उन्होंने 50 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच सिक्स हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में नाबाद 65 रनों की पारी खेली। उनके बल्ले से आठ चौके और तीन छक्के निकले। बेवोन जैक्बस एक रन बनाकर नाबाद रहे।

साइफर्ट ने दो दमदार साझेदारियां की

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने खराब आगाज किया। पेसर अर्शदीप सिंह ने दूसरे ओवर में फिन एलन (2) को पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल और टिम सीफर्ट ने दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की पार्टनरशिप की। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने नौवें ओवर में मिचेल को आउट कर भारत को राहत दिलाई। मिचेल ने 16 गेंदों में 29 रन बटोरे, जिसमें चार सिक्स हैं। सीफर्ट ने तीसरे विकेट के लिए ग्लेन फिलिप्स के संग 86 रनों की साझेदारी की। लग रहा था कि सीफर्ट आसानी से पहला टी20 शतक कंप्लीट कर लेंगे लेकिन नीतीश कुमार रेड्डी ने 16लें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद, फिलिप्स ने न्यूजीलैंड को जीत की दहलीज पार कराई।

ईशान और अय्यर ने ठोकी फिफ्टी

इससे पहले, भारत ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 191 रन जुटाए। न्यूजीलैंड के लिए एडम मिल्ने ने चार, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लिए। भारत की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (2 गेंदों में 1) और संजू सैमसन (10 गेंदों में 4) फ्लॉप रहे। एडम मिल्ने ने दूसरे ओवर में अभिषेक और चौथे ओवर में सैमसन को आउट किया। इसके बाद, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने गदर काटते हुए अर्धशतक जमाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। ईशान ने 32 गेंदों में 61 रन जुटाए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के हैं। उन्हें ब्लेयर टिकनर ने 11वें और नाथन स्मिथ ने अय्यर को 12वें ओवर में आउट किया। अय्यर ने 23 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की बदौलत 50 रन बटोरे।

भारत ने 133 रन तक गंवाए पांच विकेट

भारत की आधी टीम 133 रनों तक पवेलियन लौट गई। उपकप्तान तिलक वर्मा (8 गेंदों में 6) का बल्ला नहीं चला। उन्हें स्मिथ ने 14वें ओवर में कॉट एंड बोल्ड किया। टिकनर ने 19वें ओवर में नमन धीर (23 गेंदों में 33, चार चौके, एक छक्का) को अपने जाल में फंसाया। उन्होंने और नीतीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नीतीश ने 17 गेंदों में 22 रन बटोरे। जिसमें दो चौके और एक सिक्स है। मिल्ने ने वह 20वें ओवर नीतीश के अलावा भुवनेश्वर (6) को अपने जाल में फंसाया। भारत ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है और अब मेहमान टीम जीत के साथ इस सीरीज का अंत करने की फिराक में है।

ईशान-श्रेयस की तूफानी पारियां, फिर लड़खड़ाई भारतीय बल्लेबाजी



पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। ईशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन की पारी खेली। श्रेयस ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ईशान के साथ मिलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था और टीम के 200 के पार पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन ईशान के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई। भारत ने 112 से 133 रन के बीच तीन और विकेट गंवा दिए। नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। वहीं, तिलक वर्मा छह और भुवनेश्वर कुमार भी छह रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारतीय टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए। यह किसी टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। इस रिकॉर्ड सूची में भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी इसी साल भारत के खिलाफ 117 छक्के लगाए हैं। खास बात यह है कि साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 259 छक्के लगे। यानी हर मुकाबले में औसतन 23.5 छक्के लगाए गए। यह आंकड़ा दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा देता है।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस

तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया, बांग्लादेश को हराया, शशांक ने बनाए तूफानी 50 रन



मोंग कोक, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने छह ओवर में पांच विकेट पर 116 रन बनाए थे। 117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया।

क्रुणाल ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए

बांग्लादेश की ओर से कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर आठ छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने छह गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने चार गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने पांच गेंदों पर 12 रन बनाए। भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। क्रुणाल ने दो ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को एक विकेट मिला।

117 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आखिरी गेंद जीत मिली। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट हुए। राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 32, नीतीश राणा ने चार गेंदों पर नाबाद 10 और राहुल तेवतिया ने पांच गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। भारत ने पांच विकेट से यह मुकाबला जीता। क्रुणाल पांड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ग्रुप सी में मौजूद भारतीय टीम को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से चार विकेट से, दूसरे मैच में यूएई से छह विकेट से और तीसरे मैच में इंग्लैंड से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही।